मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 177
शुक्रवार, 09 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

उथल-पुथल भरे दौर में भारत-अमेरिका संबंधः जयराम रमेश

नई दिल्ली, 08 जनवरी। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने गुरुवार को भारत-अमेरिका संबंधों में बढ़ते तनाव को उजागर करते हुए द्विपक्षीय संबंधों को अत्यंत उथल-पुथल भरे दौर से गुजरने वाला बताया। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे दौर की जीत के दौरान व्हाइट हाउस का दौरा करने वाले पहले लोगों में प्रधानमंत्री भी शामिल थे। पर एक पोस्ट में रमेश ने कहा कि ट्रंप के दूसरे दौर में व्हाइट हाउस पहुंचने वाले पहले लोगों में प्रधानमंत्री के शामिल होने के बावजूद भारत-अमेरिका संबंध अत्यंत उथल-पुथल भरे दौर से गुजर रहे हैं।

जयराम ने आगे विधायी और राजनयिक घटनाक्रमों की ओर भी इशारा किया, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि वे भारत की स्थिति को और जटिल बना रहे हैं। राज्यसभा सांसद रमेश ने अपने पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी सहयोगी सीनेटर लिंडसे ग्राहम एक विधेयक पेश कर रहे हैं, जिसके तहत रूस के साथ भारत के व्यापारिक और अन्य संबंधों के कारण उस पर व्यापक नए प्रतिबंध लगाए जाएंगे। इससे पहले, सीनेटर बर्नी मोरेनो ने एक विधेयक पेश किया था, जिसमें 'आउटसोर्सिंग भुगतान' करने वाली अमेरिकी कंपनियों पर 25% कर लगाने का प्रस्ताव है।

चुनौतियों को बढ़ाते हुए उन्होंने आगे कहा कि भारत की अत्यधिक असुविधा को और बढ़ाने के लिए, राष्ट्रपति ट्रंप लगातार फील्ड मार्शल असीम मुनीर की जमकर प्रशंसा कर रहे हैं। रमेश ने बदलते हालात पर प्रकाश डालते हुए कहा, द्विपक्षीय संबंधों में निस्संदेह एक 'नई असामान्य स्थिति' पैदा हो गई है। प्रधानमंत्री के तुष्टीकरण वाले बयानों के बावजूद, हर दिन एक नई चुनौती है। इससे पहले, 6 जनवरी को, जयराम रमेश ने दावा किया था कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पिछले साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य तनाव को अमेरिकी हस्तक्षेप ने रोक दिया था। उन्होंने बताया कि 10 मई, 2025 को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से संपर्क होने के बाद संघर्ष रुका था।

स्कूल का मित्र बनकर साइबर अपराधी ने 6.64 लाख रुपए ठगे

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में स्कूल का दोस्त बन कर और चिकित्सा आपात स्थिति का हवाला देते हुये साइबर ठगों ने एक व्यक्ति से साढ़े छह लाख रुपये से अधिक की ठगी की। पुलिस के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अपर पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने बताया कि नोएडा के सेक्टर-78 में रहने वाले जयप्रकाश सैनी ने पुलिस में शिकायत दी है कि बीते 23 अक्टूबर को उनके पास अनिल सक्सेना नामक एक व्यक्ति का फोन आया। शिकायत में कहा गया है कि उसने कहा कि वह उसका स्कूल के समय का दोस्त है। उन्हें शुरूआती दौर में कुछ शक हुआ, लेकिन उसने स्कूल के समय का उसका निक नेम बताया, जिससे पीड़ित को विश्वास हो गया कि यह उनका पुराना स्कूली मित्र है।पीड़ित के अनुसार आरोपी ने उससे एक चिकित्सा आपात स्थिति का हवाला दिया और बैंक लिमिट समस्या बता कर उससे अपने रिश्तेदार के बैंक खाते में पैसा ट्रांसफर करने का आग्रह किया।

सीएम हिमंता का बड़ा चुनावी दांव, बीजेपी की सरकार बनने पर मुफ्त चीनी-दाल

असम, 08 जनवरी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने वादा किया कि अगर भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में आती है, तो राशन कार्ड धारकों को चीनी, दाल और नमक मुफ्त वितरित किए जाएंगे। यह वादा चुनाव से पहले राज्य सरकार के कल्याणकारी प्रयासों को और भी मजबूत करता है। धेमाजी में एक आधिकारिक रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जनवरी से राशन कार्ड धारकों को एक किलोग्राम दाल, चीनी और नमक 100 रुपये में मिलेगा।

सरमा ने आगे कहा कि आगामी चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को जीत दिलाने में मदद करें... आपको दाल, चीनी और नमक बिना किसी शुल्क के घर पर मिलेंगे। सरमा की यह घोषणा विधानसभा चुनावों से पहले आई है, जो मार्च-अप्रैल में होने की संभावना है। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार 2016 से सत्ता में है।

दूसरी ओर हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि उन्होंने राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे के समझौते पर चर्चा करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। एक आधिकारिक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 15 फरवरी तक असम गण परिषद (एजीपी) और राजग के अन्य छोटे सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे को अंतिम रूप दे सकती है। पिछले महीने शर्मा ने कहा था कि मौजूदा राजग सहयोगियों के साथ गठबंधन को अंतिम रूप देने का काम 15 जनवरी तक पूरा होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारे सीट बंटवारे और गठबंधन से संबंधित अन्य विवरण 15 फरवरी तक तय हो जाएंगे। कल रात, मैं केंद्रीय गृह मंत्री से मिलने गया था और इस पर चर्चा की। बैठक के दौरान हाग्रामा मोहिलारी (बीपीएफ प्रमुख) भी मेरे साथ थे। उन्होंने बताया कि इस बैठक से पहले यूपीपीएल अध्यक्ष प्रमोद बोरो ने भी शाह से मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री मंगलवार को विशेष विमान से दिल्ली पहुंचे और बुधवार सुबह लौट आए। सरमा ने कहा, ह्यह्यकल मेरी एजीपी अध्यक्ष अतुल बोरा से लंबी बातचीत हुई। हमारी बातचीत जारी है। हम सौहार्दपूर्ण ढंग से सीट बंटवारे के समझौते पर सहमति बना लेंगे और इसमें कोई समस्या नहीं होगी।

विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद के उद्घाटन में भाग लेंगे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल

नई दिल्ली, 08 जनवरी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल 10 जनवरी को खेल और युवा कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे जबकि समापन समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी युवाओं को संबोधित करेंगे।

दस विभिन्न थीम पर भारत मंडपम में होने वाले तीन दिवसीय संवाद में देश भर के दो हजार से अधिक युवा भाग लेंगे जबकि विदेश मंत्रालय के भारत को जाने कार्यक्रम से 80 भारतवंशी युवाओं का चयन भी इसके लिये किया गया है। समारोह के पहले दिन भारत की विश्व कप विजेता महिला क्रिकेट कप्तान हरमनप्रीत कौर, महान बैडमिंटन खिलाड़ी और कोच पुलेला गोपीचंद, टेनिस धुरंधर लिएंडर पेस भी प्रतिभागियों से संवाद

करेंगे। मंत्रालय ने बताया ,उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल मौजूद रहेंगे। पहले दिन नौ जनवरी को प्रतिस्पधाओं के विभिन्न वर्गों के चयन राउंड होंगे। इसके अलावा प्रतिभागियों को राष्ट्रीय युद्ध संग्रहालय और प्रधानमंत्री संग्रहालय घुमाया जायेगा।

इस बार विकसित भारत चैलेंज ट्रैक के लिये दस थीम रखी गई हैं जिनमें लोकतंत्र और सरकार में युवा, महिला नीत विकास :विकसित भारत की कुंजी, फिट भारत, हिट भारत, आत्मनिर्भर भारत : मेक इन इंडिया, मेक फोर वर्ल्ड और विकसित भारत के लिये भविष्योन्मुखी कार्यबल का निर्माण प्रमुख है। विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद खेल और युवा कार्य मंत्रालय की पहल है जो भारत के युवाओं को विकसित भारत का विजन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका सौंपी जाने का प्रयास है। मंत्रालय ने बताया कि प्रतिभागियों का चयन देश भर में विभिन्न स्तरों पर प्रतियोगिताओं के जरिये हुआ जिसमें निबंध लेखन और क्विज शामिल है जिसमें 50 लाख से अधिक युवाओं ने भाग लिया। बारह जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर मुख्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाग लेंगे।

छापेमारी में दखल को लेकर ईडी पहुंची हाईकोर्ट, सीएम ममता पर सबूत मिटाने का आरोप

कोलकता, 08 जनवरी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कोलकाता में चल रहे तलाशी अभियान के दौरान शीर्ष राजनीतिक परामर्श समूह आई-पीएसी के निदेशक प्रतीक जैन के आवास में घुसने और भौतिक दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों सहित महत्वपूर्ण सबूत ले जाने का आरोप लगाया। ईडी ने एक बयान में कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारियों के आने तक उसकी टीम द्वारा तलाशी की कार्यवाही शांतिपूर्ण और पेशेवर तरीके से की जा रही थी। इस मामले में ईडी हाई कोर्ट गई है, जो कल यानी शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई कर सकता है।

ईडी के बयान के अनुसार, बनर्जी प्रतीक जैन के आवासीय परिसर में घुस गईं और भौतिक दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों सहित महत्वपूर्ण सबूत ले गईं। इसके बाद मुख्यमंत्री का काफिला आई-पीएसी के कार्यालय परिसर की ओर बढ़ा, जहां से बनर्जी, उनके सहयोगियों और राज्य पुलिस कर्मियों ने जबरन भौतिक दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक सबूत हटा दिए। ईडी ने कहा कि इन कार्रवाइयों के कारण पीएमएलए (मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम) के तहत चल रही जांच और कार्यवाही में बाधा उत्पन्न हुई है।

एजेंसी ने आगे स्पष्ट किया कि तलाशी साक्ष्य-आधारित है और किसी भी राजनीतिक प्रतिष्ठान को लक्षित नहीं करती है। किसी भी पार्टी कार्यालय की तलाशी नहीं ली गई है। यह तलाशी किसी भी चुनाव से संबंधित नहीं है और मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ नियमित कार्रवाई का हिस्सा है। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री की कार्रवाई के बाद मचे हंगामे के मद्देनजर ईडी ने कहा, ₹तलाशी स्थापित कानूनी सुरक्षा उपायों के अनुसार ही की गई है। एजेंसी ने यह भी बताया कि तलाशी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की कोलकाता इकाई द्वारा अनुप मजी और अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर संख्या आरसी0102020ए0022 दिनांक 27 नवंबर, 2020 पर आधारित थी, जिसके लिए ईडी ने प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) ईसीआईआर/17/एचआईयू/2020 दिनांक 28 नवंबर, 2020 के माध्यम से दर्ज की थी। ईडी ने कहा कि जांच के दौरान यह खुलासा हुआ कि अनुप मजी के नेतृत्व वाला कोयला तस्करी गिरोह पश्चिम बंगाल के ईसीएल लीजहोल्ड क्षेत्रों से कोयला चुराता और अवैध रूप से उसका खनन करता था।

इसके बाद, इस कोयले को पश्चिम बंगाल के बांकुरा, बर्धमान, पुरुलिया और अन्य जिलों में स्थित विभिन्न कारखानों और संयंत्रों में बेचा गया। जांच में पता चला कि इस कोयले का एक बड़ा हिस्सा शाकंभरी समूह की कंपनियों को बेचा गया था।

सुप्रीम कोर्ट में सोनम वांगचुक की हिरासत पर सुनवाई, एनएसए के तहत कार्रवाई पर उठे सवाल

नई दिल्ली, 08 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को लद्दाख से जुड़े एक अहम मामले पर विस्तार से बहस हुई, जहाँ सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत को चुनौती दी गई है। बता दें कि यह याचिका उनकी पत्नी डॉ. गीतांजलि अंगमो की ओर से दायर की गई है। मौजूद जानकारी के अनुसार, जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस प्रसन्ना वराले की पीठ ने पूरे दिन के दूसरे सत्र में मामले की सुनवाई की, जिसमें याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलीलें रखीं।

गौरतलब है कि सोनम वांगचुक को 26 सितंबर 2025 को लद्दाख में हुए हालिया विरोध प्रदर्शनों के बाद ठरअ के तहत हिरासत में लिया गया था। सरकार का आरोप है कि इन प्रदर्शनों के दौरान हालात हिंसक हो गए थे और इससे सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित हुई। हालांकि, सिब्बल ने अदालत में कहा कि हिरासत का आदेश जिन चार वीडियो पर आधारित बताया गया है, वे न तो समय पर और न ही पूरी तरह से वांगचुक को उपलब्ध कराए गए। उनके मुताबिक, कानून स्पष्ट है कि अगर हिरासत के आधार बताए जाएँ लेकिन उन पर निर्भर दस्तावेज न दिए जाएँ, तो यह संविधान के अनुच्छेद 22 का सीधा उल्लंघन होता है।

सिब्बल ने यह भी दलील दी कि हिरासत के आधार 29 सितंबर को दिए गए, जबकि वीडियो न तो पेन ड्राइव में थे और न ही उनकी प्रतियां दी गईं।

गोड्डा में मवेशी चोरी के आरोप में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

गोड्डा। झारखंड के गोड्डा जिले में मवेशी चोरी के आरोप में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक पप्पू अंसारी (45) जिले के पथरगामा पुलिस थाना क्षेत्र के रानीपुर गांव का रहने वाला था।

उन्होंने बताया कि यह घटना बुधवार रात पोराइयाहाट पुलिस थाना क्षेत्र के मटिहानी गांव में हुई। मवेशी चोरी के आरोप में अंसारी की अज्ञात लोगों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी।पुलिस उपाधीक्षक जेपी एन चौधरी ने बताया कि पीड़ित का आपराधिक रिकॉर्ड था और वह पहले भी कई बार जेल जा चुका था।

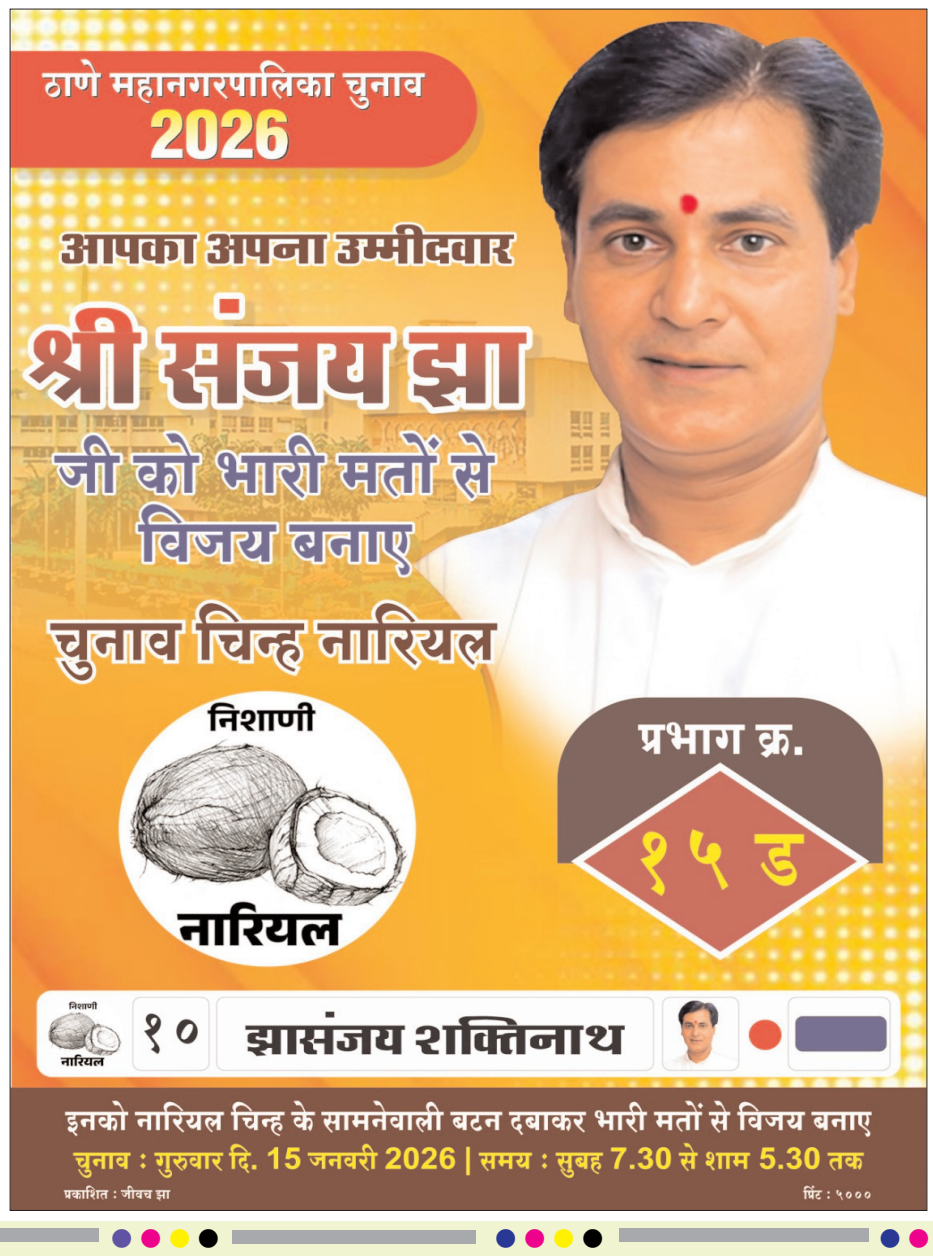

भूख से मुक्ति का राष्ट्रीय संकल्प है अटल कैंटीन योजना

-ललित गर्ग

भूख केवल एक शारीरिक पीड़ा नहीं है, वह सामाजिक असंतुलन, मानसिक कुंठा और नैतिक विचलन की जननी भी है। इतिहास साक्षी है कि जब पेट खाली होता है, तो विचार उग्र हो जाते हैं, व्यवस्था के प्रति विश्वास डगमगाने लगता है और विद्रोह की भावना पनपती है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे पहली जिम्मेदारी यह होती है कि उसका कोई भी नागरिक भूखा न रहे। इसी बुनियादी और मानवीय सोच के साथ दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार द्वारा शुरू की गई रुपये 5 में भोजन उपलब्ध कराने की ह्यअटल कैंटीन योजना निस्संदेह एक दूरदर्शी, करुणामय, मानवीय और जनकल्याणकारी पहल है। इस योजना का उद्देश्य अत्यंत स्पष्ट और मानवीय है कि दिल्ली में कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। राजधानी जैसे महानगर में, जहाँ एक ओर समृद्धि और चमक-दमक है, वहीं दूसरी ओर असंगठित श्रमिक, दिहाड़ी मजदूर, रिक्शाचालक, ठेला-पटरी वाले, घरेलू कामगार और बेघर लोग भी बड़ी संख्या में रहते हैं। इनके लिए दो वक्त का सम्मानजनक और पौष्टिक भोजन आज भी एक चुनौती बना हुआ है। अटल कैंटीन योजना इन्हीं वर्गों के लिए जीवनरेखा बनकर सामने आई है, जो संकल्प से सिद्धि के लक्ष्य को दशार्ता है और इसे देश में भोजन सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

इस योजना का शुभारंभ भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर किया जाना केवल एक औपचारिक तिथि चयन नहीं, बल्कि एक वैचारिक निरंतरता का प्रतीक है। अटलजी का संपूर्ण राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन अंत्योदय अर्थात समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के विचार से प्रेरित रहा। वर्ष 2000 में शुरू की गई अंत्योदय अन्न योजना ने यह स्पष्ट कर दिया था कि अटलजी के लिए गरीब केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि नीति का केंद्र था। उस योजना के अंतर्गत अत्यंत गरीब परिवारों को रियायती दरों पर अनाज उपलब्ध कराया गया, जिससे करोड़ों लोगों को भुखमरी से राहत मिली। अटल कैंटीन योजना उसी सोच का आधुनिक शहरी संस्करण है, जहाँ अनाज के बजाय तैयार, पौष्टिक और स्वच्छ भोजन सीधे थाली में परोसा जा रहा है। यह नीतिगत निरंतरता इस बात का प्रमाण है कि सुशासन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि संवेदनशील क्रियान्वयन से साकार होता है। अटल कैंटीन में भोजन की कीमत रुपये 5 रखी गई है, जबकि सरकार प्रत्येक थाली पर रुपये 25 की सब्सिडी दे रही है। यह मूल्य निर्धारण अत्यंत सोच-समझकर किया गया है। भोजन पूरी तरह मुफ्त न देकर एक न्यूनतम राशि तय करने का उद्देश्य यह है कि भोजन की कद्र बनी रहे और लाभार्थी इसे भीख नहीं, बल्कि अधिकार और सम्मान के रूप में ग्रहण करे। यह नीति सामाजिक मनोविज्ञान को समझने का उत्कृष्ट उदाहरण है।

रेखा गुप्ता सरकार ने सीमित संसाधनों के बावजूद जनकल्याण को प्राथमिकता देते हुए जिस संवेदनशीलता, निर्णय क्षमता और प्रशासनिक दक्षता का परिचय दिया है, वह उनके प्रभावी राजनीतिक नेतृत्व को रेखांकित करता है; अटल कैंटीन जैसी योजनाएँ बताती हैं कि वे शासन को सत्ता नहीं, सेवा का माध्यम मानती हैं। किंतु सर्दी के इस कठोर मौसम में दिल्ली की सड़कों, फुटपाथों और फ्लाईओवरों के नीचे ठिठुरती रातें काटने को विवश गरीब और बेघर लोगों के लिए केवल मौसमी रैन-बसेरे पर्याप्त नहीं हैं, आवश्यकता एक स्थायी, समन्वित और मानवीय शीत-रक्षा योजना की है, जिसमें अस्थायी आश्रय के साथ गरम वस्त्र, पौष्टिक भोजन, प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा और पुनर्वास की स्पष्ट व्यवस्था हो, ताकि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की राजधानी की सड़कों पर कोई भी व्यक्ति सर्द रात में बेसहारा और अदृश्य न रहे; ऐसा कदम न केवल प्रशासनिक संवेदनशीलता का प्रमाण होगा, बल्कि लोकतंत्र की नैतिक जिम्मेदारी का भी सशक्त निर्वाह बनेगा। महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि उपलब्ध कराया जा रहा भोजन पोषण मानकों के अनुरूप है। भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एफएसएसएआई मानकों का पालन किया जाता है, जिसमें प्रति थाली 700-800 कैलोरी और 20-25 ग्राम प्रोटीन होता है। डिजिटल टोकन, सीसीटीवी और निगरानी के साथ पारदर्शिता सुनिश्चित की जाती है। प्रत्येक कैंटीन प्रतिदिन लगभग 1000 लोगों को भोजन परोसने की क्षमता रखी है, और 100 कैंटीन खोलने का लक्ष्य है। दाल, सब्जी, रोटी/चावल जैसे संतुलित आहार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिसमें आरओ वाटर एवं अचार आदि भी परोसा जा रहा है ताकि यह योजना केवल पेट भरने तक सीमित न रहकर स्वास्थ्य सुधार में भी योगदान दे सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा गरीबों और निम्न आय वर्ग के लिए मुफ्त एवं रियायती अनाज योजनाएँ लगातार संचालित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना जैसी पहलों ने संकट काल में करोड़ों परिवारों को राहत दी है। इन योजनाओं का मूल दर्शन यही है कि भूखा नागरिक न आत्मनिर्भर बन सकता है और न ही राष्ट्रनिर्माण में भागीदार। रेखा गुप्ता सरकार की अटल कैंटीन योजना इन राष्ट्रीय प्रयासों के साथ सामंजस्य स्थापित करती है। यह दशार्ती है कि केंद्र और राज्य, यदि समान मानवीय दृष्टि से काम करें, तो सामाजिक समस्याओं का समाधान अधिक प्रभावी ढंग से संभव है। समाजशास्त्र और अर्थशास्त्र दोनों ही इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि भुखमरी और अपराध के बीच गहरा संबंध होता है। जब व्यक्ति की मूल आवश्यकताएँ पूरी नहीं होतीं, तो वह व्यवस्था के प्रति विद्रोही दृष्टिकोण अपनाने लगता है। यही कारण है कि अनेक महान नेताओं ने यह कहा है कि गरीब को पहले रोटी दो, उपदेश बाद में।

भूखे को खिलाना किसी प्रकार का राजनीतिक प्रलोभन नहीं है। यह सच्ची राष्ट्रभक्ति, मानवीय कर्तव्य और सामाजिक सुरक्षा का आधार है। अटल कैंटीन जैसी योजनाएँ अपराध को नियंत्रित करने, सामाजिक असंतोष को कम करने और लोकतंत्र में विश्वास को मजबूत करने का कार्य करती हैं। हालाँकि, किसी भी जनकल्याणकारी योजना की सफलता केवल उसकी घोषणा से नहीं, बल्कि उसके पारदर्शी, निगरानी और ईमानदार क्रियान्वयन से तय होती है। यह अत्यंत आवश्यक है कि अटल कैंटीन योजना को भ्रष्टाचार, अपव्यय और लापरवाही से पूरी तरह मुक्त रखा जाए। खाद्य सामग्री की खरीद, भोजन की गुणवत्ता, लाभार्थियों की पहुँच, वित्तीय प्रबंधन और संचालन व्यवस्था-हर स्तर पर सख्त निगरानी, नियमित ऑडिट और सामाजिक सहभागिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। यदि इस योजना में किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार प्रवेश करता है, तो वह न केवल सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग होगा, बल्कि गरीब के विश्वास के साथ भी विश्वासघात होगा।

दिल्ली की यह पहल देश के अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकती है। शहरीकरण के इस दौर में लगभग हर बड़े शहर में श्रमिक और निम्न आय वर्ग भोजन संकट से जूझ रहा है। यदि प्रत्येक राज्य अपनी परिस्थितियों के अनुसार ऐसी योजनाएँ विकसित करे, तो देश से भुखमरी को काफी हद तक समाप्त किया जा सकता है। यह समझना आवश्यक है कि ऐसी योजनाएँ खर्च नहीं, बल्कि सामाजिक निवेश हैं। यह निवेश समाज को स्थिरता, शांति और विश्वास लौटाता है। अंततः रुपये 5 की थाली केवल भोजन नहीं है। यह करुणा, गरिमा और सामाजिक न्याय की अभिव्यक्ति है। यह अटल बिहारी वाजपेयी की अंत्योदय सोच और नरेन्द्र मोदी के वर्तमान नेतृत्व की मानवीय दृष्टि का सार्थक संगम है। रेखा गुप्ता सरकार की यह पहल यह संदेश देती है कि सुशासन वही है, जो सबसे पहले सबसे कमजोर व्यक्ति तक पहुँचे। यदि इस योजना को पारदर्शिता, ईमानदारी और निरंतरता के साथ आगे बढ़ाया गया, तो यह न केवल दिल्ली, बल्कि पूरे देश के लिए भूख-मुक्त भारत की दिशा में एक मजबूत कदम सिद्ध होगी।

वैश्विक विश्व युद्ध के मुहानें पर बैठी मानवता

संजीव ठाकुर

सावधान? मानवीय जीवन आज परमाणु युद्ध के कगार पर खड़ा है और पूरी पृथ्वी जैसे किसी सक्रिय ज्वालामुखी के मुख पर बैठी हुई प्रतीक्षा कर रही है कि अगला सनकी आदेश किस राजधानी से निकलेगा। परमाणु संपन्न देशों के शासक स्वयं को वैश्विक सिरमौर सिद्ध करने की खतरनाक होड़ में अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं, विस्तारवादी मंसूबों और व्यक्तिगत सनकों को मानवता के अस्तित्व से ऊपर रख चुके हैं।

चीन, रूस और उत्तर कोरिया जैसे देश जहाँ परमाणु शक्ति तानाशाही प्रवृत्तियों के हाथों में केंद्रित है। वहाँ यह खतरा और भी भयावह हो जाता है क्योंकि इतिहास गवाह है कि जब सत्ता विवेक से कट जाती है तब युद्ध अपरिहार्य हो जाता है, अमेरिका द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध में हिरोशिमा और नागासाकी पर गिराए गए परमाणु बम आज भी मानवता के माथे पर कलंक की तरह दर्ज हैं। उसे समय के परमाणु हमले के विकिरण के दुष्प्रभाव आज भी जापान के बच्चों के शरीर और भविष्य में देखे जा सकते हैं।

उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन द्वारा 2022 के बाद से सौ से अधिक हथियारों के परीक्षण जिनमें अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान को लक्ष्य करने वाली परमाणु मिसाइलें शामिल हैं। यही इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि यह देश किसी भी क्षण सनक में विनाशकारी कदम उठा सकता है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने यह सिद्ध कर दिया है कि आधुनिक युद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहते बल्कि वैश्विक संतुलन को झकझोर कर रखा देते हैं और यूक्रेन को नाटो तथा अमेरिका से मिल रही सहायता के कारण रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कई बार सार्वजनिक रूप से परमाणु हथियारों के प्रयोग की धमकी दे चुके हैं ।जबकि उन्हें यह अनुमान ही नहीं था कि यूक्रेन इतना लंबा प्रतिरोध कर पाएगा, चीन और ताइवान विवाद में भी अमेरिका के परोक्ष हस्तक्षेप से नाराज चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अपनी विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कभी भी सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं। जिससे एशिया प्रशांत क्षेत्र युद्ध के केंद्र में आ सकता है। यह भी सर्वविदित तथ्य है कि रूस, चीन और उत्तर कोरिया वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में अमेरिका के सबसे बड़े रणनीतिक विरोधी बन चुके हैं और अमेरिका स्वयं को विश्व का सर्वशक्तिमान बनाए रखने के दबाव में लगातार युद्धोन्मुखी नीति अपनाए हुए है।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया द्वारा उत्तर कोरिया की सीमा पर लगातार सैन्य अभ्यास को प्योंगयांग हमले के पूर्वाभ्यास के रूप में देख रहा है ।जबकि अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया त्रिपक्षीय समझौतों के तहत संयुक्त बैलिस्टिक मिसाइल रणनीति पर आगे बढ़ चुके हैं ।, इन तैयारियों के जवाब में उत्तर कोरिया द्वारा रणनीतिक क्रूज मिसाइल परीक्षणों का निरीक्षण इस बात की पुष्टि करता है कि टकराव की जमीन पूरी तरह तैयार हो चुकी है।

पश्चिम एशिया में वेनेजुएला संकट, इसराइल-फिलिस्तीन युद्ध और यूक्रेन संघर्ष आपस में जुड़कर एक ऐसे वैश्विक युद्ध की प्रस्तावना रच रहे हैं जिसमें पाकिस्तान और खाड़ी देशों की भागीदारी की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। अमेरिका में चुनावी दबावों के चलते वहां का नेतृत्व अपनी वैश्विक बादशाहत बचाने के लिए किसी भी स्तर तक जाने को तैयार दिखाई देता है और उसके साथ ब्रिटेन, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया और इसराइल जैसे देश आंख मूंदकर खड़े रहते हैं ।भारत की स्थिति इन परिस्थितियों में अत्यंत संवेदनशील है क्योंकि एक ओर उसकी चीन से परंपरागत शत्रुता है तो दूसरी ओर रूस से गहरे रणनीतिक संबंध और अमेरिका से बढ़ती निकटता है जबकि भारत लगातार शांति और संतुलन की भूमिका निभाने का प्रयास करता रहा है। परंतु जब विश्व की प्रमुख शक्तियां ही संवाद की बजाय दंभ और हथियारों की भाषा बोलने लगें तो किसी भी क्षण चिंगारी विश्वयुद्ध में बदल सकती है और यदि ऐसा हुआ तो यह युद्ध केवल देशों का नहीं बल्कि पूरी मानव सभ्यता और पृथ्वी के अस्तित्व का युद्ध होगा, ऐसे समय में विश्व को नेताओं की सनक नहीं बल्कि विवेक की आवश्यकता है और मानवता के पास अब केवल यही एक प्रार्थना शेष रह जाती है कि युद्ध नहीं हो और शांति ही अंतिम विकल्प बने।

हिंदी:भारत की आत्मा से विश्व मंच तक भाषा

वैश्विक स्तरपर भारत की सबसे बड़ी पहचान उसकी भाषाई, सांस्कृतिक और वैचारिक विविधता में निहित है ।विश्व के किसी भी देश में इतनी भाषाएँ, बोलियाँ परंपराएँ व सांस्कृतिक अभिव्यक्तियाँ एक साथ सह- अस्तित्व में नहीं पाई जातीं। इस विविधता के महासागर में यदि कोई एक सूत्र है, जो भारत को भावनात्मक, सामाजिक और राष्ट्रीय स्तरपर जोड़ता है, तो वह है हिंदी भाषा। हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं,बल्कि भारत की सामूहिक चेतना,स्मृति और संस्कृति की संवाहक है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि हिंदी: केवल भाषा नहीं, भावनात्मक सेतु हैं,हिंदी भारत में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है परंतु इसकी शक्ति केवल संख्या में नहीं,बल्कि संवेदना, आत्मीयता और भावाभिव्यक्ति में निहित है। हिंदी वह भाषा है, जिसमें प्रेम भी सरल है, पीड़ा भी सहज है और प्रतिरोध भी स्वाभाविक ।जहाँ कई भाषाएँ औपचारिक संवाद तक सीमित रहती हैं,वहीं हिंदी व्यक्ति के हृदय से सीधे संवाद करती है। यही कारण है कि ग्रामीण भारत से लेकर शहरी महानगरों तक, साहित्य से लेकर सिनेमा तक और राजनीति से लेकर जनआंदोलनों तक हिंदी की भूमिका केंद्रीय बनी हुई है ।इसी ऐतिहासिक सांस्कृतिक और वैश्विक महत्व के कारण हिंदी के सम्मान और प्रचार-प्रसार हेतु विशेष दिवस समर्पित किए गए हैं, 14 सितंबर (राष्ट्रीय हिंदी दिवस) और 10 जनवरी (विश्व हिंदी दिवस) ।भारत में 14 सितंबर को हिंदी दिवस इसलिए मनाया जाता है क्योंकि इसी दिन 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में स्वीकार किया था ।यह निर्णय केवल प्रशासनिक नहीं था,बल्कि यह उस ऐतिहासिक संघर्ष और सांस्कृतिक चेतना का परिणाम था, जिसने औपनिवेशिक शासन की भाषाई विरासत से बाहर निकलकर भारतीय भाषाओं को केंद्र में लाने का प्रयास किया ।वहीं 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है,जिसका उद्देश्य हिंदी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठा दिलाना, वैश्विक संवाद की भाषा के रूप में स्थापित करना और यह दशार्ना है कि हिंदी केवल भारत तक सीमित नहीं,बल्कि एक वैश्विक भाषा बन चुकी है। यह दिवस भारत की सॉफ्ट पावर, सांस्कृतिक कूटनीति और वैश्विक पहचान का महत्वपूर्ण आधार है।

साथियों बात अगर हम डिजिटल युग में हिंदी: विरासत से भविष्य की तकनीक तक इसको समझने की करें तोआज का युग डिजिटल क्रांति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग और वैश्विक संचार का युग है। लंबे समय तक यह माना जाता रहा कि तकनीक केवल अंग्रेजी या कुछ चुनिंदा भाषाओं तक सीमित रहेगी, लेकिन हिंदी ने इस धारणा को तोड़ दिया है ।आज हिंदी:सोशल मीडिया की सबसे सक्रिय भाषाओं में से एक है,डिजिटल समाचार, ब्लॉग, पॉडकास्ट और यूट्यूब कंटेंट की प्रमुख भाषा बन चुकी है। एआई आधारित अनुवाद वॉइस असिस्टेंट और चैटबॉट में तेजी से अपनाई जा रही है ।हिंदी ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह पारंपरिक ज्ञान से लेकर अत्याधुनिक तकनीक तक समान रूप से सक्षम है। यही कारण है कि विश्व हिंदी दिवस का एक प्रमुख उद्देश्य डिजिटल युग में हिंदी की प्रासंगिकता और क्षमता को रेखांकित करना है।

साथियों बात अगर हम अंग्रेजी बनाम हिंदी : आजादी के 75 वर्ष बाद भी वैचारिक गुलामी? इसको समझने की करें तो 1947 में भारत ने राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त की, लेकिन आज भी एक गंभीर प्रश्न हमारे सामने खड़ाहै, क्या हम वैचारिक रूप से स्वतंत्र हो पाए हैं? विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर यह प्रश्न और भी प्रासंगिक हो जाता है कि क्या आज भी अंग्रेजी बोलना सामाजिक प्रतिष्ठा और आधुनिकता का प्रतीक बना हुआ है? आज अनेक माता- पिता गर्व से यह दिखाना चाहते हैं कि उनका बच्चा कितनी धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलता है। छोटी उम्र से अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पढ़ाना और हिंदी से दूरी बनाना कहीं न कहीं मानसिक उपनिवेशवाद का प्रतीक है। हमें अन्य भाषाओं से प्रतिस्पर्धा नहीं,संतुलन की आवश्यकता हैं। यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि यह विमर्श अंग्रेजी या किसी अन्य भाषा के विरोध का नहीं, बल्कि हिंदी के आत्मसम्मान का है। अंग्रेजी वैश्विक संपर्क की भाषा है, परंतु हिंदी हमारी पहचान की भाषा है ।यदि हम बच्चों को केवल अंग्रेजी में सोचने और सपने देखने के लिए प्रशिक्षित करेंगे, तो वे अपनी जड़ों से कटते चले जाएंगे। समय आ गया है कि: हिंदी को शिक्षा, तकनीक और प्रशासन में समान महत्व दिया जाए,बच्चों को हिंदी बोलने, लिखने और सोचने के लिए प्रोत्साहित किया जाए हिंदी को कमतर समझने की मानसिकता को समाप्त किया जाए।भारत में लगभग 1500 से अधिक भाषाएँ और बोलियाँ हैं, जिनमें से अनेक विलुप्ति के कगार पर हैं। यह संकट केवल भाषाई नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक भी है। हिंदी का सशक्तिकरण तभी सार्थक होगा, जब वह अन्य भारतीय भाषाओं के साथ सह- अस्तित्व और सम्मान के सिद्धांत पर आगे बढ़े। हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में सशक्त बनाते हुए, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि भारत की भाषाई विविधता सुरक्षित रहे।

साथियों बात अगर हम हिंदी और वैश्विक पहचानः संयुक्त राष्ट्र की सातवीं भाषा की ओर इसको समझने की करें तो, भारत सरकार लंबे समय से हिंदी को संयुक्त राष्ट्र की सातवीं आधिकारिक भाषा बनाने के लिए प्रयासरत है। वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र की छह आधिकारिक भाषाएँ हैं -अंग्रेजी, फ्रेंच, स्पेनिश, चीनी, अरबी और रूसी। हिंदी के पक्ष में तर्क अत्यंत मजबूत हैं: यह विश्व की सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में शामिल है ।भारत वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और शांति मिशनों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। हिंदी अनेक देशों में पढ़ाई और शोध की भाषा बन चुकी है। यदि हिंदी को संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिलता है, तो यह केवल भाषा की जीत नहीं, बल्कि वैश्विक बहुभाषिक लोकतंत्र की जीत होगी।

साथियों बात अगर हम वर्ष में दो बार हिंदी दिवस मनाने के इतिहास को समझनें की करें तो, हिंदी के वैश्विक विस्तार की नींव 10 जनवरी 1975 को नागपुर में आयोजित प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन में पड़ी। इस ऐतिहासिक सम्मेलन का उद्घाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने किया था। इसमें 30 देशों के 122 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि हिंदी भारत की सीमाओं से बाहर भी जीवंत, प्रासंगिक और प्रभावशाली भाषा है ।इसके बाद हिंदी का वैश्विक आंदोलन और तेज हुआ। वर्ष 2006 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 10 जनवरी को औपचारिक रूप से विश्व हिंदी दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। तब से लेकर आज तक भारत के सभी दूतावासों, अंतरराष्ट्रीय संस्थानों विश्वविद्यालयों और प्रवासी भारतीय समुदायों में यह दिवस पूरे सम्मान के साथ मनाया जाता है।

साथियों बात अगर हम संवैधानिक वैचारिक डिजिटल और तकनीकी दृष्टिकोण से हिंदी भाषा की स्थिति को समझने की करें तो,संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर 1949 को हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में स्वीकार किया जाना केवल एक प्रशासनिक निर्णयनहीं था बल्कि यह औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति और राष्ट्रीय अस्मिता की पुनर्स्थापना का प्रतीक था। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 से 351 तक हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं को संरक्षण और संवर्धन का दायित्व सौंपा गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि भाषा केवल संप्रेषण का साधन नहीं, बल्कि लोकतंत्र, समानता और जनभागीदारी की रीढ़ है। स्वतंत्रता के 75 वर्षों बाद भी यदि हिंदी को बोलना या अपनाना हीनता से जोड़ा जाए, तो यह वैचारिक गुलामी का संकेत है। सच्ची स्वतंत्रता तभी पूर्ण होगी जब शासन, शिक्षा और समाज में हिंदी को सम्मान, अवसर और आत्मविश्वास के साथ स्वीकार किया जाए ।डिजिटल युग में हिंदी ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह केवल साहित्य या परंपरा की भाषा नहीं, बल्कि भविष्य की तकनीक की भी सक्षम भाषा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, वॉइस असिस्टेंट, ऑटो-ट्रांसलेशन सोशल मीडिया और डिजिटल पत्रकारिता में हिंदी की उपस्थिति निरंतर बढ़ रही है। आज करोड़ों लोग इंटरनेट पर हिंदी में खोज करते हैं, कंटेंट बनाते हैं और संवाद स्थापित करते हैं, जिससे डिजिटल समावेशन संभव हो रहा है। विश्व हिंदी दिवस का मूल उद्देश्य यही है कि हिंदी को तकनीक-विरोधी नहीं, बल्कि तकनीक-सहयोगी भाषा के रूप में स्थापित किया जाए, जो पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के बीच एक सशक्त सेतु बन सके।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि हिंदी का भविष्य हमारी जिम्मेदारी हैं हिंदी दिवस और विश्व हिंदी दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्ममंथन और संकल्प के अवसर हैं। हिंदी का भविष्य किसी सरकारी आदेश से नहीं, बल्कि सामूहिक चेतना और व्यवहार से तय होगा। यदि हमः हिंदी में सोचें, हिंदी में गर्व महसूस करें हिंदी को आधुनिक, तकनीकी और वैश्विक बनाएं तो हिंदी न केवल भारत की आत्मा बनी रहेगी, बल्कि विश्व संवाद की सशक्त भाषा के रूप में भी स्थापित होगी। हिंदी केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि भविष्य की संभावना है। आइए, हिंदी को सम्मान नहीं,अधिकार दें।

ट्रम्प का वेनेजुएला कांड, भारत के लिए

भारत और वेनेजुएला एक-दूसरे से बहुत अलग देश हैं। दोनों के बीच भौगोलिक दूरी लगभग 14,250 किलोमीटर है। काराकस, दक्षिण अमरीका की कभी जीवंत मानी जाने वाली राजधानी, आज वैश्विक घटनाक्रम के केंद्र में है। वहां जो कुछ अचानक और चौंकाने वाला हुआ, वह केवल वेनेजुएला की कहानी नहीं, बल्कि उसमें भारत और शेष विश्व के लिए गंभीर सबक छिपे हुए हैं।

पहला सबक- लोकतंत्र, मानवाधिकार, अंतरराष्ट्रीय कानून और सुशासन जैसे चमकदार शब्द वैश्विक राजनीति में अक्सर खोखले साबित होते हैं। व्यवहार में असहजता और कड़वी सच्चाई को ढकने का औजार बन जाते हैं। भ्रष्ट और स्वार्थी नेतृत्व इन्हीं आदर्शवादी नारों की आड़ में अपनी विफलताओं को छिपाता है। बाद में नव-औपनिवेशिक ताकतें इन्हें हथियार की तरह इस्तेमाल करके अपने विस्तारवादी आ?थक और राजनीतिक हितों को साधने का उपक्रम बनाती हैं। वेनेजुएला पर अमरीका का औचक सैन्य हमला उसी शाश्वत सिद्धांत को पुनर्स्थापित करता है, जो सदियों से वैश्विक राजनीति को संचालित करता आया है-जिसकी लाठी, उसकी भैंस। दूसरा-गरीबी मिटाने और समृद्धि लाने का कोई लघु-मार्ग नहीं होता। इसके लिए प्रतिस्पर्धा, कठोर परिश्रम और उत्पादन-आधारित अर्थव्यवस्था अनिवार्य है।

जो नीतियां संपत्ति सृजन करने की बजाय केवल संपत्ति के पुनरवतरण को प्राथमिकता दें, वे अंततः देशों को आर्थिक तबाही और राजनीतिक पराधीनता की ओर ले जाती हैं। उत्पादन की उपेक्षा करके केवल पुनरवतरण करना इसलिए भी खतरनाक है, क्योंकि वह वास्तविक लोकतंत्र को धीरे-धीरे, कानूनी रास्तों से, आथक अराजकता की ओर धकेल देता है। जब असमानता को जटिल सामाजिक-आर्थिक संरचनाओं का परिणाम मानने की बजाय केवल लूट और भ्रष्टाचार का प्रमाण बताया जाने लगता है, तो धन कमाना ही नैतिक अपराध बना दिया जाता है।

तीसरा सबक इतिहास से जुड़ा है। 20वीं सदी की शुरूआत में यह माना गया कि दुनिया अब बर्बर युद्ध से ऊपर उठ चुकी है। लेकिन प्रथम विश्व युद्ध (1914-18) ने इस भ्रम को तोड़ दिया। तब वैश्विक शांति के लिए राष्ट्र संघ (1920-46) बना, जो पहले से अधिक विनाशकारी दूसरे

विश्व युद्ध (1939-45) को नहीं रोक पाया। तब इस उम्मीद के साथ 1945 में संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई कि भविष्य में कोई युद्ध नहीं होगा। लेकिन क्या यह उद्देश्य पूरा हुआ? विभिन्न संघर्ष और दशकों से हजारों जिहादी हमले-ये सभी संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता और शक्ति पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। चौथा सबक-सभी देशों में ऐसे नेता होते हैं, जो सत्ता की अंधी दौड़ में जनता को असंभव सपने दिखाते हैं और उनकी भावनाओं से खेलकर सत्ता में आ जाते हैं। कुर्सी मिलने के बाद वे अव्यवहारिक वादे पूरे नहीं कर पाते, जिससे धीरे-धीरे या अचानक, निर्दयी तानाशाह में बदल जाते हैं। वेनेजुएला ऐसे ही नेताओं का शिकार रहा है, जिनकी सनकी नीतियों ने देश को बर्बाद कर दिया। स्वतंत्रता के बाद भारत भी एक समय इसका शिकार रहा था। 1969 में कांग्रेस के विभाजन पश्चात तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1971 के चुनाव में गरीबी हटाओ का नारा दिया, पूरे विपक्ष को पूंजीपतियों का एजैंट बताकर भारी बहुमत से जीत हासिल की।

उनकी नीतियां उत्पादन क्षमता को बढ़ाने की बजाय पुनर्वितरणऔर राष्ट्रीयकरण पर केंद्रित रहीं। इसका नतीजा यह हुआ कि कालांतर में दूध, वनस्पति घी, गेहूं, चावल जैसी आवश्यक वस्तुओं की भारी किल्लत हो गई और कालाबाजारी बढ़ गई। उसी आ?थक अव्यवस्था ने व्यापक जन-असंतोष को जन्म दिया। 12 जून, 1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इंदिराजी का चुनाव रद्द कर दिया। इस पर उन्होंने देश पर आपातकाल थोप दिया, जो मार्च 1977 तक जारी रहा। लातिन अमरीकी देश वेनेजुएला का पतन न तो प्रतिबंधों से शुरू हुआ और न ही ट्रम्प की सनक से। इसकी जड़ें उस आकर्षक, लेकिन घातक विचार में मिलती हैं, जिसमें मान्यता थी कि केवल पुन?वतरण ही उत्पादन का विकल्प हो सकता है। 1999-2013 तक वेनेजुएला के राष्ट्रपति रहे ह्यूगो शावेज ने खुद को मसीहा के रूप में पेश किया। उनका तर्क था कि तेल से होने वाली आय सिर्फ जनता की है, न कि निजी कंपनियों या वैश्विक रणनीतिक सांझेदारों की। देखते ही देखते हजार से अधिक निजी कंपनियां जब्त कर ली गईं। अत्यधिक मुद्राएं छापी गईं, जिससे बेतहाशा महंगाई बढ़ी। पूर्ति गई और भुखमरी बढ़ गई।

पिछले कुछ समय से कांग्रेस के शीर्ष नेता और वर्तमान लोकसभा में नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी पुनरवतरण की मांग को भारत में तेज कर रहे हैं, जिसमें अक्सर जितनी आबादी, उतना हक नामक जुमला छोड़ा जाता है। सफल देश विभिन्न योजनाओं से मुनाफे का पुनरवतरण करते हैं। इंदिराजी और चावेज ने पुनरवतरण के नाम पर आय के स्रोत को नष्ट कर दिया था। राहुल भी सत्ता के लिए इसे दोहराना चाहते हैं। इस पृष्ठभूमि में वेनेजुएला एक चेतावनी है। जो देश लोकलुभावन वादों और पहचान-आधारित पुनरवतरण के जाल में फंसते हैं, वे अंततः पतन के रास्ते पर चल पड़ते हैं। -बलबीर पुंज

जीवन के लिए जरुरी शुद्ध और स्वच्छ पेयजल

पानी हमारी प्यास बुझाता है। प्यास लगना इस बात का संकेत है कि हमारे शरीर को पानी को जरूरत है। यह शरीर को चुस्त बनाए रखता है। इसके द्वारा खाद्य पदार्थों के पोषक तत्व रक्त में मिल जाते हैं। पानी शरीर के रक्त का बहाव यथावत रखता है। वह शरीर के अतिरिक्त विषैले तत्व बाहर निकालने में सहायक होता है। यह शरीर के ताप को ठीक बनाए रखता है। यह रंगहीन पीने का पानी निश्चय ही साफ होना चाहिये, शुद्ध स्वच्छ गंधहीन और गंदगी रहित होना चाहिये। इसमें किसी तरह के हानिकारक तत्व नहीं होना चाहिये।

पीने का पानी कैसा हो? इस विषय पर वैज्ञानिकों ने काफी प्रयोग किये हैं और पानी की गुणवत्ता को तय करने के मापदंड बनाये हैं। पीने के पानी का रंग, गंध, स्वाद सब अच्छा होना चाहिए। ज्यादा कैल्शियम या मैगनेशियम वाला पानी कठोर जल होता है और पीने के योग्य नहीं होता है। पानी में उपस्थित रहने वाले हानिकारक रसायनों की मात्रा पर भी अंकुश आवश्यक है। आर्सेनिक, लेड, सेलेनियम, मरकरी तथा फ्लोराईड, नाइट्रेट आदि स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालते हैं। पानी में कुल कठोरता 300 मिली ग्राम प्रति लीटर से ज्यादा होने पर पानी शरीर के लिये नुकसानदायक हो जाता है। पानी में विभिन्न बीमारियों के कीटाणुओं का होना, हानिकारक रसायनों का होना कठोरता होना पानी को पीने के अयोग्य बनाता है।

पीने का जल शुद्ध हो, प्यास बुझाये, मन को प्रफुल्लित रखे, तभी वह शुद्ध पेयजल होता है। हमारे शरीर का 60 से 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना है। प्रतिदिन शरीर को 6 से 10 गिलास पानी की आवश्यकता होती है। इस आवश्यक्ता का एक बड़ा भाग खाद्य पदार्थों के रूप में शरीर ग्रहण करता है। शेष पानी मनुष्य पीता है।

गर्मियों में पानी ज्यादा चाहिये क्योंकि पसीने के रूप में काफी ज्यादा पानी शरीर से वापस बाहर निकल जाता है, सर्दी में पानी की मात्रा कम चाहिये। पानी भोजन के पाचन, रुधिर संचरण तथा समस्त अन्य जैव क्रियाओं के लिये अत्यंत आवश्यक है। सुबह उठकर एक गिलास शीतल जल का सेवन व्यक्ति को कई बीमारियों से बचाता है।

हमारे यहां आमतौर पर पानी की शुद्धता और स्वच्छता के बारे में बहुत लापरवाही बरती जाती है। पीने लायक साफ पानी न तो उपलब्ध है और न ही इसकी मांग की जाती है। पानी में तरह तरह की गंदगी होती है, जिसके बारे में बिल्कुल ध्यान नहीं दिया जाता। सच पूछिए तो इसके बारे में आम लोगों को अधिक जानकारी भी नहीं है। गंदगी में जो रोगों के जीवाणु होते हैं, वे आँख से दिखते नहीं, केवल माइक्रोस्कोप से दिखते हैं। इसी गंदगी की वजह से और इसके रोग के जीवाणुओं से बहुत सी बीमारियां होती है जैसे दस्त, पेचिस, हैजा, पीलिया, नारू और भी कई आंत संबंधी रोग पानी से होने वाली बीमारियों के नाम से जाने जाते हैं। ज्यादातर लोग पीने का पानी किसी पोखर या तालाब से लेते हैं जहां बर्तन भी धोए जाते हैं, कपड़े भी धोए जाते हैं, लोग खुद भी नहाते हैं, गाय, भैंसों को भी नहलाते हैं। यह सारी गंदगी अन्दर चली जाती है। इसी प्रकार पानी कुओं से भी लिया जाता है जो ज्यादा गहरे नहीं होते और खुले छोड़ दिए जाते हैं। हवा के साथ इसमें धूल, मिट्टी, पत्ते, पक्षी की बीट इत्यादि जाकर गिरती है और पानी को प्रदूषित करती है। कुछ गांवों में हैण्डपंप की सुविधाएं दी गई हैं, परंतु उसके ऊपर की गोलाई में कीचड़ व कूड़ा करकट पड़ा होता है। वहां से गंदा पानी धीरे-धीरे जमीन में रिसकर स्वच्छ पानी को खराब कर देता है। फिर वह पानी पीने योग्य नहीं रह जाता। पाइप लाइनों से आने वाले पानी में भी पाइप लाइन की टूटफूट,जंग,सीवेज का पानी इन पाइप लाइनों में मिलने और पर्याप्त साफ सफाई के अभाव में पानी दूषित हो जाता है और जान लेवा साबित होता है। **(अंजनी सक्सेना-विभूति फीचर्स)**

एमएम यादव को मिल रहे भारी जन समर्थन से विपक्ष हताश : नवाब मलिक

मुंबई (उत्तरशक्ति)। एम एम यादव को 45 वर्षों का राजनीतिक अनुभव है। वसोर्वा विधानसभा की जनता के लिए हमेशा संघर्ष करने वाले श्री यादव को जिस तरह से जनता का भारी समर्थन मिल रहा है, उसे देखते हुए विपक्ष हताश और परेशान हो गया है। राष्ट्रवादी अजीत पवार गट से वार्ड क्रमांक 63 में चुनाव लड़ रहे एमएम यादव के बहराम बाग में खुरैशी स्कूल के पास फ्लाइओवर के नीचे स्थित कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित भारी भीड़ को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कद्दावर नेता नवाब मलिक ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि श्री यादव ने बहुत लंबे समय तक राजनीति के माध्यम से जन सेवा की है। जब कांग्रेस ने ऐसे व्यक्ति को टिकट नहीं दिया तो हमारी पार्टी के प्रमुख अजीत पवार ने अपने बंगले पर बुलाकर सम्मान के साथ इन्हें टिकट दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने चौथी बार श्री यादव के साथ अन्याय किया है। नवाब मलिक ने कहा कि एमएम यादव ने पिछले चुनाव में अपने अकेले की ताकत के बल पर जिस व्यक्ति को कांग्रेस से विजय दिलाया, आज वही उनके सामने चुनाव लड़ रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी 15 जनवरी को वसोर्वा विधानसभा में एक इतिहास लिखेगा। श्री मलिक ने कहा कि हमारी पार्टी ने 92 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं। अभी पूरा विश्वास है कि 40 से अधिक सीटों पर हम विजई होंगे। वार्ड क्रमांक 63 का सर्वे बता रहा है कि यहां से हम भारी मतों से चुनाव जीतने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्री यादव यहां के एक-एक व्यक्ति और एक एक गली से परिचित है। उनकी जीत से इस वार्ड के विकास का नया दौर शुरू होगा। इस अवसर पर जरीन खान, राघवेंद्र सिंह, इंद्रदेव शुक्ला, भारत यादव, जगन सिंह, लाल सिंह, हरिश्चंद्र यादव, बीरबल यादव, इकरार खान, फारुख भाई, फरदीन खान के अलावा भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

पालघर में मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान को मिलेगा नया आयाम

◆हास्य कलाकार भाऊ कदम 13 जनवरी को करेंगे ग्राम पंचायतों का विशेष दौरा

पालघर(उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाने की दिशा में एक अनूठी पहल की जा रही है। इसी क्रम में सुप्रसिद्ध हास्य कलाकार, नाट्य एवं फिल्म अभिनेता भाऊ कदम का पालघर जिले में विशेष दौरा आयोजित किया गया है। इस दौरे के माध्यम से वे ग्राम पंचायत स्तर पर अभियान को लेकर जनजागृति फैलाने के साथ-साथ ग्राम विकास में जनसहभागिता को बढ़ावा देंगे। 13 जनवरी को होने वाले इस दौरे के दौरान भाऊ कदम पालघर तहसील की ग्राम पंचायत चहाडे एवं उमरोली, डहाणू तहसील की ग्राम पंचायत घोलवड तथा वाडा तहसील की ग्राम पंचायत हमरापुर का दौरा करेंगे। वे अपनी विशिष्ट हास्य शैली और अनुभव आधारित प्रस्तुति के माध्यम से मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान के विभिन्न उपक्रमों, ग्राम पंचायतों की भूमिका, लोकसहभागिता के महत्व और विकास कार्यों की जानकारी ग्रामवासियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचायेंगे। प्रशासन का मानना है कि इस अभिनव पहल से ग्राम पंचायतों में चल रहे नवाचारों को प्रोत्साहन मिलेगा, अभियान के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और ग्रामीणों में विकास के लिए सकारात्मक सोच व सक्रिय सहभागिता की भावना मजबूत होगी। यह संपूर्ण कार्यक्रम मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के मार्गदर्शन में तथा उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पंचायत) अशोक पाटील के समन्वय से क्रियान्वित किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने संबंधित ग्राम पंचायतों के पदाधिकारियों, सदस्यों, अधिकारी-कर्मचारियों, आशा कार्यकताओं, आंगनवाड़ी सेविकाओं, बचत समूहों की महिलाओं एवं समस्त ग्रामवासियों से बड़ी संख्या में उपस्थित रहकर मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान की जानकारी लेने और इस जनजागरण अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है।

द बॉडी शॉप का एंड ऑफ सीजन सेल

मुंबई। ब्रिटिश मूल के अंतरराष्ट्रीय एथिकल ब्यूटी ब्रांड द बॉडी शॉप ने अपनी बहुप्रतीक्षित एंड ऑफ सीजन सेल (एडसर) की घोषणा की है। यह सेल पूरे एक महीने तक चलेगी, जिसमें ग्राहकों को अपने पसंदीदा प्रोडक्ट्स शानदार दामों पर खरीदने का मौका मिलेगा। सेल के तहत द बॉडी शॉप अपने कई लोकप्रिय प्रोडक्ट्स पर 50% तक की छूट दे रहा है। इसमें फुल फ्लावर्स फ्रेगरेंस कलेक्शन, मेकअप रेंज जैसे सेकेंड स्किन, फ्रेश न्यूड और क्रेऑन शामिल हैं। इसके अलावा, चुनिंदा कैटेगरीज पर 50% तक की छूट भी उपलब्ध है। इसमें बेस्टसेलिंग स्किनकेयर रेंज शामिल हैं, जैसे टी ट्री, एडेलवीज और विटामिन सी। साथ ही हेयरकेयर रेंज में बनाना, जिंजर और शिआ जैसे लोकप्रिय वेरिएंट्स पर भी आकर्षक ऑफर मिल रहे हैं। बॉडीकेयर फेवरेट्स में मोरिंगा, स्ट्रॉबेरी और ब्रिटिश रोज जैसी पसंदीदा रेंज शामिल हैं, जबकि लिमिटेड एडिशन बाथ एंड बॉडी रेंज में पैशनफ्रूट, शिआ और सैफ्रॉन के साथ-साथ सीजनल फेवरेट्स जैसे क्रैनबेरी, शुगरप्लम और कैरामेल पर भी विशेष छूट का लाभ उठाया जा सकता है। नैतिक मानकों के अनुसार हासिल की गई सामग्री और स्थायी रूप से बनाए गए प्रोडक्ट्स के साथ, द बॉडी शॉप की यह एंड ऑफ सीजन सेल ग्राहकों को बचत का अवसर प्रदान करेगी। साथ ही उन्हें कॉन्शस ब्यूटी मूवमेंट का हिस्सा बनने का भी मौका मिलेगा।

बिजली दर वृद्धि से तारापुर का उद्योग संकट में, कारखाने बंद होने व पलायन के कगार पर

महावितरण के विरुद्ध तारापुर एमआईडीसी के उद्यमियों का हाई वोल्ट मोर्चा

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के बोईसरझतारापुर स्थित एशिया के अग्रणी औद्योगिक क्षेत्रों में शामिल तारापुर महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल (एम.आई.डी.सी.) में अन्यायपूर्ण बिजली दरवृद्धि को लेकर उद्यमियों का गुस्सा फूट पड़ा। महावितरण (एमएसईडीसीएल) द्वारा बढ़ाए गए बिजली दरों के विरोध में बुधवार 7 जनवरी 2026 को उद्योग जगत ने एकजुट होकर तीव्र आंदोलन किया। बोईसरझतारापुर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित महावितरण के उपकार्यकारी अभियंता कार्यालय पर हाई वोल्ट मार्च निकालते हुए कारखानदारों ने महावितरण का प्रतीकात्मक घेराव किया।

तारापुर इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (टीमा) के अध्यक्ष डी. के. राऊत के नेतृत्व में हुए इस आंदोलन में 150 से अधिक औद्योगिक इकाइयों के मालिक और उनके प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए।अन्यायकारक बिजली दरवृद्धि के कारण उद्योगों की कमर टूट गई है और उत्पादन लागत में भारी वृद्धि होने से कई कारखाने घाटे में जा रहे हैं, ऐसा आरोप टीमा अध्यक्ष डी. के. राऊत ने लगाया। आंदोलनकारियों को सम्बोधित करते हुए टीमा अध्यक्ष डी. के. राऊत ने महावितरण व राज्य सरकार पर तीखे शब्दों में निशाना साधा। उन्होंने कहा कि महावितरण द्वारा प्रस्तुत मल्टी ईयर टैरिफ (एमवाईटी) याचिका और महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग (एमईआरसी) के हालिया आदेशों के चलते उद्योग बंद होने की कगार पर पहुंच गये हैं। बढ़ते बिजली बिल उद्योगों के लिए अब असहनीय बनते जा रहे हैं और कई कारखाने पहले ही घाटे में जा चुके हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यह अन्यायपूर्ण बिजली दरवृद्धि अविलम्ब वापस नहीं ली गई, तो तारापुर क्षेत्र के सैकड़ों कारखानों पर स्थायी ताले लग सकते हैं और हजारों श्रमिक बेरोजगार हो जाएंगे। राऊत ने कहा कि बिजली की यह असहनीय दरवृद्धि केवल उद्योगों पर आर्थिक बोझ नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र के औद्योगिक भविष्य के लिए भी गम्भीर खतरा है।उन्होंने आगे कहा कि देश के प्रमुख औद्योगिक पट्टों में गिने जाने वाले तारापुर एमआईडीसी की वर्तमान स्थिति अत्यन्त चिन्ताजनक हो गई है, जिससे राज्य में बेरोजगारी तेजी से बढ़ने की आशंका है। टीमा के उपाध्यक्ष पापा ठाकुर सहित अन्य वक्ताओं ने भी महावितरण की नीतियों की कड़ी आलोचना की। श्री. ठाकुर ने आरोप लगाया कि बिजली की खपत और बिक्री बढ़ाने के बजाय केवल दरें बढ़ाकर राजस्व जुटाने की कठोर नीति अपनाई जा रही है, जो सरकार के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सिद्धांतों के पूरी तरह खिलाफ है। पड़ोसी राज्यों में बिजली सस्ती होने के कारण महाराष्ट्र के उद्योग वहां पलायन कर रहे हैं, जो एक गम्भीर चिंता का विषय है। टीमा अध्यक्ष डी. के. राऊत के नेतृत्व में आयोजित इस आंदोलन में डहाणू इंडस्ट्रीज एसोसिएशन तथा लघु उद्योग भारती, बोईसर ने भी अपनी सहभागिता की। आंदोलनकारियों ने मांग की कि महावितरण की उद्योग-विरोधी नीतियों पर तत्काल रोक लगाकर उद्योगों को राहत दी जाए, अन्यथा उद्योग बंद करने या राज्य से बाहर स्थानांतरित होने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। इस आंदोलन का मांग पत्र महावितरण पालघर विभाग के कार्यकारी अभियंता सुनील नागोराव भारंबे तथा उपकार्यकारी अभियंता (बोईसर औद्योगिक) प्रभुचरण चौधरी को सौंपते हुए तात्कालिक और ठोस निर्णय लेने की मांग की गई।

पैनल 15 में महेश गायकवाड़ के सहयोगियों का प्रचार में जन सैलाब

महेश गायकवाड़ के नेतृत्व में चारों पैनल मजबूत

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका चुनाव के प्रचार ने जोर पकड़ लिया है। पैनल क्रमांक पंद्रह विजयनगर में शिवसेना -बीजेपी-आरपीआई महायुति के उम्मीदवार महेश गायकवाड़, ज्योत्स्ना हुमणे, माधुरी काले और तारामती बांगर का प्रचार अत्यंत जोरों पर चल रहा है। प्रचार रैली और डोर-टू-डोर कैंपेनिंग के माध्यम से मतदाताओं से संवाद साधा जा रहा है।

महेश गायकवाड़ के प्रचार में भाजपा के कल्याण-डोंबिवली चुनाव प्रमुख नाना सूर्यवंशी के साथ-साथ भाजपा के कार्यकर्ता भी प्रचार रैली में शामिल हुए। इस अवसर पर महेश गायकवाड़ ने विश्वास व्यक्त किया कि पैनल क्रमांक 15 के शिवसेना के सभी उम्मीदवार भारी मताधिक्य से विजयी होंगे।

पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख पर पार्टी करेगी कारवाईः अजय यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी और भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र के समाजवादी विधायक रईस शेख के बीच चल रहा विवाद अब चरम पर पहुँच गया है। बताया जा रहा है कि इस नाराजगी के चलते विधायक रईस शेख ने सीधे कांग्रेस के साथ हाथ मिला लिया है और अपने समर्थकों को कांग्रेस की उम्मीदवारी दिलाकर समाजवादी पार्टी के सामने खुली चुनौती खड़ी कर दी है। शुरूआत में छुपे तौर पर चल रहा कांग्रेस का समर्थन अब खुलकर सामने आ गया है। भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र के कई प्रभागों में विधायक रईस शेख कांग्रेस उम्मीदवारों के प्रचार में सक्रिय रूप से शामिल हो रहे हैं। हालांकि उनकी मौजूदगी से पहले उम्मीदवारों और कार्यकर्ताओं को सावधानी बरतते हुए कांग्रेस के मफलर (दुपट्टे) उतारकर अलग रखने पड़ते हैं। कांग्रेस उम्मीदवारों के खुले प्रचार के बावजूद विधायक रईस शेख अब तक मीडिया के सामने बयान देने से बचते रहे हैं। उन्होंने केवल इतना कहा है कि 16 तारीख के नतीजों के बाद मैं अपनी भूमिका स्पष्ट करूंगा। उल्लेखनीय है कि रईस शेख ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को पत्र लिखकर अबू आसिम आजमी की कार्यप्रणाली के खिलाफ अपनी नाराजगी भी जताई थी। बीती रात प्रभाग क्रमांक 9 में कांग्रेस पार्टी की प्रचार सभा में विधायक रईस शेख की अचानक एंट्री से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खलबली मच गई। एहतियात के तौर पर मंच पर मौजूद कांग्रेस उम्मीदवारों सहित सभी ने अपने गले में पड़े कांग्रेस के मफलर समेट लिए। इसी दौरान एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें विधायक रईस शेख कांग्रेस के चुनाव चिन्ह हाथ पर मतदान करने की अपील करते नजर आ रहे हैं। एक अन्य वायरल वीडियो में वे यह कहते भी दिखाई दे रहे हैं कि अगर हिम्मत है तो समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार मेरा फोटो इस्तेमाल किए बिना चुनाव लड़कर जीतकर दिखाएं। इस तरह के बयानों से भिवंडी के राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। इस पूरे मामले पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भिवंडी प्रचार प्रमुख अजय यादव से जब पार्टी की भूमिका जानकारी मांगी गई तो उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में पार्टी ने रईस शेख को मौका दिया था और उन्हें जिताने की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं ने निभाई थी। पार्टी कैडर और कार्यकर्ताओं के बल पर चलती है और उन्हीं के दम पर भिवंडी में समाजवादी पार्टी निश्चित रूप से जीत हासिल करेगी। अजय यादव ने यह भी स्पष्ट किया कि विधायक रईस शेख द्वारा भिवंडी में की जा रही पार्टी-विरोधी गतिविधियों की रिपोर्ट पार्टी नेतृत्व को भेज दी गई है और उन्हें विश्वास है कि पार्टी नेतृत्व उचित समय पर उचित कार्रवाई करेगा।

स्थलांतरित मजदूरों के बच्चों के लिए शिक्षा की नई शुरूआत

जिला परिषद स्कूल में 14 बच्चों का प्रवेश, पुस्तकें व गणवेश वितरित

पालघर (उत्तरशक्ति)। स्थलांतरण के कारण शिक्षा से वंचित रह जाने वाले निर्माण मजदूरों के बच्चों के लिए पालघर जिले में एक सराहनीय पहल की शुरूआत की गई है। पालघर क्षेत्र के स्थलांतरित निर्माण मजदूर परिवारों के 14 बच्चों को जिला परिषद स्कूल, आनंदाश्रम में मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ा गया। इस अवसर पर बच्चों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें व स्कूल गणवेश भी प्रदान किये गये।

स्थलांतरित परिवारों के बच्चों का शैक्षणिक नुकसान न हो, इस संवेदनशील उद्देश्य से जिलाधिकारी कार्यालय, स्पर्श फाउंडेशन एवं शिक्षा विभाग, पालघर द्वारा त्वरित सर्वेक्षण कर बच्चों को स्कूल में दाखिला दिलाया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत जिलाधिकारी डॉ. इंदूरानी जाखड़ एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के करकमलों से विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें पाठ्यपुस्तकें व गणवेश वितरित किये गये। इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षा अधिकारी सोनाली मातेकर, पंचायत समिति के गट शिक्षण अधिकारी निमिष मोहिते, बीट विस्तार अधिकारी नीलम पष्टे, केंद्र प्रमुख विनोद पाटील, स्पर्श फाउंडेशन के पदाधिकारी व सदस्य, निर्माण मजदूर अभिभावक तथा नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राज ठाकरे के आदेश के बाद मनसे कार्यकर्ताओं का बॉम्बे ढाबा पर नामफलक फाड़कर जताया आक्रोश

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। इन दिनों महानगरपालिका चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। सभी राजनीतिक दलों के नेता प्रचार के लिए अलग-अलग इलाकों में दौरे कर रहे हैं। इसी क्रम में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे कल्याण में प्रचार कार्यक्रम पूरा करने के बाद भिवंडी मार्ग से ठाणे की ओर जा रहे थे। रास्ते में ठाणे-भिवंडी सीमा पर खारीगांव खाड़ी पुल के पास स्थित बॉम्बे ढाबा पर उनकी नजर पड़ी। वहां अब भी बॉम्बे ढाबा नाम का उपयोग किए जाने की बात उन्होंने अपने साथ मौजूद ठाणे व पालघर जिलाप्रमुख अविनाश जाधव के संज्ञान में लाई। राज ठाकरे के निर्देश के बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र नवनिर्माण विद्यार्थी सेना के ठाणे जिलाध्यक्ष परेश चौधरी अपने साथियों के साथ बॉम्बे ढाबा पहुंचे। मनसे कार्यकताओं ने ढाबा प्रबंधन को तुरंत नाम बदलने और वहां लगे इलेक्ट्रिक साइन बोर्ड को बंद करने का निर्देश दिया। इसके बाद कार्यकताओं ने ढाबे का नामफलक फाड़कर अपना तीव्र आक्रोश व्यक्त किया। इस आंदोलन में अधिवक्ता सुनील देवरे, मिलिंद तरे, पुरुषोत्तम म्हात्रे, अविष पाटील, कुमार पुजारी, मंगेश म्हात्रे, शुभम घोडके, राकेश पाटील और यश गुळवी सहित अनेक मनसे कार्यकर्ता शामिल थे।

महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ मुंबई की ठाणे जिला की ओर से घोडविंदे फार्म हाउस में पत्रकार दिवस का किया गया आयोजन

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ, मुंबई शाखा, ठाणे जिला की ओर से 5 जनवरी 2026 को शाहापुर तालुका के दहागांव स्थित घोडविंदे फार्म हाउस में बाळशास्त्री जांभेकर जयंती के अवसर पर पत्रकार दिवस सामाजिक दायित्व के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पत्रकारों का सम्मान किया गया तथा ह्नशब्दशक्ती 2026ह्व दिनदर्शिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ के राज्य महासचिव विश्वासराव आरोटे, जिलाध्यक्ष भगवान चंदे तथा शाहापुर के उपविभागीय अधिकारी मिलिंद शिंदे प्रमुख रूप से उपस्थित थे। साथ ही संघ की ठाणे जिला शाखा की ओर से जिला परिषद दहागांव स्कूल के विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर मिलिंद जाधव एवं संघरत्न घनघाव ने काव्य पाठ प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ के शाहापुर तालुका अध्यक्ष पद पर संजय भालेराव की नियुक्ति की घोषणा की गई। राज्य महासचिव विश्वासराव आरोटे ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकार संघ का प्रत्येक पदाधिकारी और पत्रकार ईमानदारी से कार्य करता है। पत्रकार लेने वाला नहीं बल्कि समाज को देने वाला होता है। महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ, मुंबई संलग्न ठाणे जिला शाखा हमेशा आदर्श रही है। पुलिस उपविभागीय अधिकारी मिलिंद शिंदे ने कहा कि पत्रकारों और पुलिस की ड्यूटी लगभग समान होती है। पत्रकारों का कार्य खबरों का अनुसरण कर उन्हें प्रकाशित करना है जबकि पुलिस का कार्य घटनास्थल पर जाकर पंचनामा करना, अपराध दर्ज करना और आरोपी की तलाश करना होता है। इस दौरान कभी-कभी शब्दों का टकराव होता है लेकिन वह अस्थायी होता है। खोजी पत्रकारिता करने वाले पत्रकारों का सम्मान होना ही चाहिए। कार्यक्रम में भगवान चंदे के साथ संतोष गायकर, संजय भोईर, संजय भालेराव, मिलिंद जाधव, वसंत पानसरे, मेघनाथ विशे, नितीन पंडित, योगेश गोडे, शेखर भोईर, अनिल पाटील और गीता गायकर का विशेष सम्मान किया गया। साथ ही जिले के पदाधिकारियों को सहपत्नी एवं पत्रकारों को सम्मानचिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रवादी कांग्रेस के तालुका अध्यक्ष नंदकुमार मोगरे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के शाहापुर तालुका अध्यक्ष मनोहर सासे, राष्ट्रवादी कांग्रेस के वाशिंद शहर अध्यक्ष संदीप पाटील, सामाजिक कार्यकर्ता भगवान सांबरे, डा. रुपाली शेडगे तथा महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ ठाणे जिला शाखा के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मनोहर मडके ने किया तथा आभार प्रदर्शन मिलिंद जाधव ने किया।

ऑनलाइन दवा बिक्री का पर्दाफाश

मुंबई। मुंबई पिछले कुछ वर्षों से देश में अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री तेजी से बढ़ी है, जिसके जरिए कई कंपनियां नियमों को ताक पर रखकर मुनाफा कमा रही हैं। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद अब इन कंपनियों पर कार्रवाई का शिकंजा कसता नजर आ रहा है। इसी कड़ी में प्लैटिनम आरएक्स कंपनी के खिलाफ मुंबई और दिल्ली की एफडीए द्वारा कार्रवाई का दबाव बनाया जा रहा है।

भारत में ऑनलाइन दवा बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण विफल होता दिखाई दे रहा है। इसी कारण बेंगलुरु स्थित Platinum Rx Affolife Retail Private Limited नामक ऑनलाइन फार्मेसी के खिलाफ ग्रेटर मुंबई और दिल्ली के औषधि नियंत्रण प्राधिकरणों ने गंभीर शिकायतें दर्ज कर उन्हें आगे की कार्रवाई के लिए ड्रग कंट्रोलर, कर्नाटक को भेजा है, ऐसी जानकारी शिकायतकर्ता की ओर से दी गई है।

शिकायत के अनुसार, प्लैटिनम आरएक्स ने शेड्यूल H और H1 श्रेणी की दवाइयों को बिना डॉक्टर की वैध पर्ची के ऑनलाइन बेचते हुए महाराष्ट्र और दिल्ली में अंतरराज्यीय आपूर्ति की। इस मामले में कई गंभीर तथ्य सामने आए हैं।

16 दिसंबर को संयुक्त आयुक्त (औषधि), एफडीए ग्रेटर मुंबई ने ड्रग कंट्रोलर, कर्नाटक को पत्र लिखकर 6 नवंबर की शिकायत आगे भेजी थी। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि प्लैटिनम आरएक्स के पास महाराष्ट्र में दवा बिक्री का कोई वैध लाइसेंस नहीं होने के बावजूद मुंबई में दवाइयों की आपूर्ति की गई।

इसके अलावा, 6 जनवरी 2025 को केंद्र सरकार के ड्रग कंट्रोल विभाग प्रमुख ने भी इस मामले को डीसीजीआई और ड्रग कंट्रोलर, कर्नाटक के समक्ष रखते हुए ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत उचित कार्रवाई की मांग की थी। बिना प्रिस्क्रिप्शन खतरनाक दवाओं की बिक्री इस बीच, डॉक्टर की पर्ची के बिना खतरनाक दवाइयों की आपूर्ति किए जाने की बात सामने आई है। शिकायत के अनुसार, प्लैटिनम आरएक्स ने एंटीबायोटिक्स, कफ सिरप और अन्य प्रिस्क्रिप्शन दवाइयां बिना किसी पंजीकृत डॉक्टर की पर्ची के बेचीं। यह ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स रूल्स, 1945 के नियम 65 का स्पष्ट उल्लंघन है।

इतना ही नहीं, वरिष्ठ औषधि नियंत्रण अधिकारियों के नाम से परीक्षण के तौर पर की गई ऑर्डर को भी बिना किसी जांच के वितरित किया गया, जिससे कंपनी की गंभीर लापरवाही उजागर होती है, ऐसा आरोप शिकायतकर्ता एडवोकेट वेदप्रकाश तिवारी ने लगाया है। उच्च न्यायालयों के आदेशों की अनदेखी दिल्ली और मद्रास उच्च न्यायालयों द्वारा ऑनलाइन दवा बिक्री को लेकर स्पष्ट चेतावनी दिए जाने के बावजूद इस तरह की बिक्री जारी रहना कानून के अमल में गंभीर खामियों को दशार्ता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में बनेगी कांग्रेस पार्टी की सरकार: लालता चौधरी

हमारे देश और प्रदेश में है कांग्रेस की जरूरत, तभी बेरोजगारी व महंगाई से मिलेगी मुक्ति

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र के उदयचन्दपुर निवासी कांग्रेस कमेटी के पूर्व केराकत मण्डल अध्यक्ष 74 लोकसभा क्षेत्र मछलीशहर नेता लालता चौधरी ने केराकत के सिहौली चौराहा पर स्थित ब्लाक कांग्रेस कार्यालय पर एक प्रेस वार्ता के माध्यम से मीडिया के जरिये कहा कि आज पूरे देश को हमारे जन नेता राहुल गांधी की जरूरत है अगर भाजपा को सत्ता से बेदखल नहीं किया गया तो यह भाजपा के लोग पूरा देश पुजीपतियों के गुलाम बन जायेगा। इस सरकार में आम आदमी की पीड़ा को सूननें वाला कोई नहीं है। श्री लालत चौधरी नें कहा कि हमारे दमदार नेता अजय राय जी जो

उत्तर प्रदेश से पांच बार विधायक और 12 वें उत्तर प्रदेश भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रमुख हैं और वाराणसी क्षेत्र के एक स्थानीय कद्दावर नेता हैं। जिस तरह से उन्होंने पूरे प्रदेश में चल कर के लोगों के दुःख में शामिल होनें का कार्य कर रहे हैं आज उसी का परिणाम है पूरे उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी संगठन सृजन के माध्यम से एक एक कार्यकर्ता के घर घर जा कर हमारे नेता राहुल गांधी जी के नीतियों से प्रेरित कर रहे हैं। आगे श्री चौधरी ने कहा कि आगामी 2027 में होनें वाले विधानसभा चुनाव में जनता भारतीय जनता पार्टी को मुंह तोड़ जवाब देगी और पूर्ण बहुमत से कांग्रेस पार्टी की सरकार बनेगी।

पुरानी रंजिश में शराब पिलाकर की हत्या, जफराबाद पुलिस ने आरोपी को आलाकत्ल सहित दबोचा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना जफराबाद क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते हुई हत्या के मामले का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पहले मृतक को शराब पिलाई, फिर लकड़ी के डंडे से सिर और शरीर पर ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी।

सहायक पुलिस अधीक्षक/ क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता के कुशल पर्यवेक्षण में जफराबाद पुलिस टीम ने हत्या के आरोपी ओमकार सिंह उर्फ बच्चा सिंह को आलाकत्ल लकड़ी के डंडे के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की उम्र करीब 45 वर्ष बताई जा रही है।

शराब की दुकान से शुरू हुई वारदातः पुलिस के अनुसार, 7 जनवरी 2026 को आरोपी ओमकार सिंह कजगांव बाजार स्थित शराब की दुकान पर पहुंचा, जहां उसकी मुलाकात पूर्व परिचित गुरुप्रसाद यादव से हुई। पुरानी रंजिश के चलते आरोपी ने मृतक को अत्यधिक शराब पिलाई और बहाने से उसे कजगांव रेलवे क्रासिंग के पार केबिन के पीछे ले गया। वहां प्रेमचंद प्रजापति की समोसे की दुकान के पास लगे लकड़ी के डंडे को उखाड़कर आरोपी ने गुरुप्रसाद यादव के सिर, हाथ और पैरों पर लगातार वार किया। जब उसे लगा कि पीड़ित बेहोश हो गया है या मर चुका है, तो वह मौके से फरार हो गया।

भागने की फिराक में था आरोपीः घटना के बाद पुलिस से बचने के लिए आरोपी गांव नेवादा में हाईवे के नीचे बनी पुलिया में गाड़ी पकड़ने की फिराक में खड़ा था, तभी जफराबाद पुलिस ने उसे घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया।

आलाकत्ल बरामद, मुकदमा दर्जः पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर लकड़ी का डंडा और उसका टूटा हुआ टुकड़ा बरामद किया है। मृतक के पुत्र किशन यादव की तहरीर पर थाना जफराबाद में मु0अ0सं0-05/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

प्रेम विवाह से बढ़ा पारिवारिक तनाव

जौनपुर में युवक के झुलसने का मामला, गंभीर आरोप भी सामने आए

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले से एक गंभीर और चिंताजनक मामला सामने आया है, जहां पारिवारिक विवाद के बीच एक युवक के झुलसने की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

कोतवाली थाना क्षेत्र के सिपाह मोहल्ले में किराए के मकान में रह रहे संदीप मिश्रा (30) पर आरोप है कि उनकी साली ने उन पर जलता हुआ कोयला फेंक दिया, जिससे वह घायल हो गए। घटना के बाद सूचना पर 112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार संदीप मिश्रा ने प्रतिमा चौहान से प्रेम विवाह किया था। दोनों ने मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से शादी की और कोर्ट मैरिज की प्रक्रिया में थे। इस विवाह को लेकर परिजनों में नाराजगी की बात सामने आ रही है।

इसी बीच, संदीप मिश्रा ने अपनी साली पर गंभीर आरोप भी लगाए हैं। पीड़ित का कहना है कि उसने इस संबंध में पुलिस को जानकारी दी है। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि अभी नहीं हुई है और पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।मामला संवेदनशील है और जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

दुर्घटना में शहीद आरक्षी के गांव पहुंचे सीओ बदलापुर, परिजनों को सौंपी 19 लाख की सहायता राशि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रायबरेली सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए डायल-112 में तैनात आरक्षी शिवनारायण के पैतृक गांव पहुंचकर पुलिस अधिकारियों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ० कौशतुंभ की ओर से पुलिस परिवार के सहयोग स्वरूप लगभग 19 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि दिवंगत आरक्षी के परिजनों को प्रदान की गई। क्षेत्राधिकारी बदलापुर सुनील चंद तिवारी अपनी टीम के साथ ग्राम निहाल खेड़ा थाना शिवगढ़, जनपद रायबरेली पहुंचे। यहां उन्होंने 3 जनवरी 2026 को सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए आरक्षी शिवनारायण को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया।

पुलिस परिवार हर कदम पर साथः इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी बदलापुर ने कहा कि आरक्षी शिवनारायण एक कर्तव्यनिष्ठ और समर्पित पुलिसकर्मी थे। पुलिस विभाग इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है और हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान डायल-112 प्रभारी निरीक्षक मिथिलेश कुमार मिश्रा क्राइम ब्रांच जौनपुर से निरीक्षक राकेश कुमार सिंह आंकिक शाखा के अधिकारी, थाना शिवगढ़ प्रभारी विंध्य विनय ग्राम प्रधान एवं स्थानीय पत्रकारगण भी उपस्थित रहे।

हिंदू मुस्लिम एकता मंच पर सम्मानित की गई भारत प्रेस क्लब की नगर अध्यक्ष महिला विंग मुस्कान मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर की बड़ी मस्जिद स्थित हजरत उमर शाह के

उर्स मुबारक के मौके पर एक हिंदू मुस्लिम एकता मंच बनाया गया था। जहां पर खादिम ए आस्ताना मास्टर मिराज ने भारत प्रेस क्लब की नगर अध्यक्ष मुस्कान मौर्य को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। वहीं मुस्कान मौर्य का कहना था कि गंगा जमुनी की तहजीब आज भी हमारे जनपद में कायम है। इसी लिए हमारे जिले को शिराजे हिन्द के खिताब से पुकारा जाता है। मुस्कान मौर्य शिक्षा के क्षेत्र में हर संभव अपने प्रयास से छात्र, छात्राओं को जागरूक करती रहती है। वाराणसी मंडल अध्यक्ष डॉ. इम्तियाज अहमद, जौनपुर जिला अध्यक्ष रियाजुल हक, जिला महामंत्री शब्बीर हैदर अम्मार, नगर उपाध्यक्ष मोहम्मद हारून, आदि।

हर्षोल्लास से मनाया गया प्रथम महिला शिक्षक का जन्मोत्सव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शिक्षा, संस्कार से वंचित और उपेक्षित समाज में शिक्षा, संस्कार और सम्मान की लौ प्रज्ज्वलित करने वाली प्रथम महिला शिक्षिका, महिला सशक्तिकरण की अग्रदूत सावित्रीबाई फुले का 196 वां

जन्मोत्सव सम्राट अशोक क्लब भारत और उत्तर प्रदेश के मार्गदर्शन में सम्राट अशोक क्लब भारत शाखा जौनपुर महिला विंग उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में हर्षानुभूति वातावरण में मनाया गया । कार्यक्रम पूर्णरूपेण महिला पदाधिकारियों को समर्पित रहा, जिसमें सम्राट अशोक क्लब भारत शाखा जौनपुर सहयोग की भूमिका निभाया। कार्यक्रम में अतिथिगणों की पंक्ति में गीता मौर्य नर्सिंग आफिसर, शाक्य बीनू सिंह मौर्य एडवोकेट राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित पी जी गोल्ड मेडलिस्ट, मालती जगदीश मौर्य उर्फ गप्पू मौर्य समाजसेवी, पूनम मौर्य उपस्थिति रही । कार्यक्रम की अध्यक्षता रेखा मौर्य जिला सह प्रभारी और संचालन विनीता मौर्य जिला प्रभारी ने किया । कार्यक्रम में महिलाओं ने अपने वक्तव्य से अपनी बात कही। मुख्यरूप से राष्ट्रीय प्रचार मंत्री के पी मौर्य, राष्ट्रीय संयोजक राजेश कुमार मौर्य, उ0 प्र0 कार्यकारिणी सदस्य, संजीव कुमार मौर्य जिला टीम महिला विंग, युवा विंग, तहसील, ब्लाक एवं ग्रामीण इकाई के सदस्य उपस्थित रहे।

अश्लील वीडियो बनाकर धमकी देकर पैसा मांगने वाला एक आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बक्शा पुलिस टीम द्वारा अश्लील वीडियो बनाकर धमकी देकर पैसा मांगने वाले मुकदमे में 01 वांछित आरोपी को किया गया गिरफ्तार। क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में थाना बक्शा पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-06/2026 धारा 308 (5)/77/333/351(3) बीएनएस में वांछित आरोपी साहेबजादे पुत्र सफीउल्ला निवासी ग्राम सदरूद्दीनपुर थाना बक्शा जनपद जौनपुर को मुखबीर की सूचना पर बंधवारे वीर मई हाइवे तिराहा के पास से आज दिनांक 08.01.2026 को समय 12.10 बजे गिरफ्तार कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सिकरारा पुलिस ने सोशल मीडिया पर धार्मिक/ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना प्रभारी सिकरारा के नेतृत्व में थाना सिकरारा पुलिस टीम द्वारा मनुस्मृति पर टिप्पणी करने व मनुस्मृति की किताब जलाने का फोटो/विडियो इन्टाग्राम पर पोस्ट करने वाले 01 आरोपी सत्येन्द्र कुमार उर्फ टिन्कू पुत्र रामजीत गौतम निवासी ककोहिया थाना सिकरारा जौनपुर को उसके घर से हिरासत पुलिस में लेकर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस में चालान मा0 न्यायालय किया गया।

किराने की दुकान में रंजिशवश आग लगाने के पांच आरोपितों में दो गिरफ्तार

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के आरा गांव में बीते 2 जनवरी की रात किराने की दुकान में रंजिशवश आग लगाने के आरोप में पांच लोगों के विरुद्ध दर्ज मुकदमे के आरोपितों में से दो आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

थानाध्यक्ष प्रवीण यादव ने बताया कि आरा गांव निवासी अवनीश यादव ने नामजद से तहरीर देकर गांव के ही राजन यादव, शिवम यादव, जोगेंद्र यादव, गुलाब यादव तथा सुंदर यादव के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करवाया था तथा आरोप लगाया था कि 2 जनवरी की रात में उसकी किराने की दुकान में पुराने रंजिश को लेकर इन लोगों ने आग लगा दी थी जिसमें लगभग 10 लाख का सामान जलकर नष्ट हो गया था। मुखबिर की सूचना पर उक्त आरोपितों में से सुंदर यादव पुत्र केदार यादव तथा राजन यादव पुत्र सुंदर यादव को आरा गांव के पास से ही हिरासत में लेकर जेल भेज दिया गया।

साल्वेशन हॉस्पिटल के दौरे पर पहुंचे जौनपुर के पूर्व डीएम दिनेश चन्द्र

◆ पूर्व डीएम ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से की बातचीत

◆ निरीक्षण के दौरान अस्पताल के आधुनिक स्वरूप और चिकित्सा सुविधाओं को देखकर जताई प्रसन्नता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। साल्वेशन हॉस्पिटल के दौरे पर पहुंचे जौनपुर के पूर्व जिलाधिकारी दिनेश चन्द्र ने अस्पताल की व्यवस्थाओं और सुविधाओं की खुलकर सराहना की। अस्पताल पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के आधुनिक स्वरूप और चिकित्सा सुविधाओं को देखकर प्रसन्नता जताई।

पूर्व डीएम ने कहा कि जौनपुर जनपद में इस स्तर का इतना बड़ा और सुव्यवस्थित अस्पताल पहले देखने को नहीं मिला। उन्होंने अस्पताल के निदेशक डॉ. विवेक श्रीवास्तव से मुलाकात कर अस्पताल की कार्यप्रणाली, उपलब्ध सुविधाओं और आयुष्मान भारत योजना के तहत दी जा रही सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान पूर्व डीएम ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से भी बातचीत की। मरीजों ने इलाज को लेकर संतोष जताते हुए बताया कि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी नहीं है और वे स्वस्थ महसूस कर रहे हैं।

इस अवसर पर पूर्व डीएम दिनेश चन्द्र ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी ग्राम प्रधानों की भी होती है। यदि किसी ग्रामीण को स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या हो तो ग्राम प्रधान को तुरंत उसे ऐसे अस्पताल में पहुंचाने की पहल करनी चाहिए, जहां बेहतर इलाज और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों।

उन्होंने झोलाछाप डॉक्टरों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि जौनपुर में अब भी कुछ स्थानों पर लोग ऐसे डॉक्टरों के चक्कर में पड़ जाते हैं, जो बिना सही जांच के मरीज को ड्रिप लगाकर छोड़ देते हैं, जिससे मरीज की जान को खतरा हो सकता है। ग्राम प्रधानों को चाहिए कि वे ग्रामीणों को ऐसे झोलाछाप चिकित्सकों से दूर रखें और आयुष्मान कार्ड की सुविधा वाले मान्यता प्राप्त अस्पतालों में इलाज कराने के लिए प्रेरित करें।

पूर्व डीएम ने कहा कि साल्वेशन हॉस्पिटल जौनपुर में इलाज की सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं और आयुष्मान कार्ड के तहत भी मरीजों को बेहतर उपचार मिल सकता है। उन्होंने आमजन से अपील की कि सही अस्पताल और योग्य डॉक्टर का चयन कर ही इलाज कराए।

फिरोज अहमद बनाये गये गुजर महासभा के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष, जनपद में खुशी की लहर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आल इण्डिया गुजर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी मजाहिर राणा की संस्तुति से फिरोज अहमद को महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष जैसे पद की जिम्मेदारी दी गयी। साथ ही उन्हें नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया गया। वहीं इसकी जानकारी होने पर समाज के लोगों को आशा ही नहीं, बल्कि पूर्ण विश्वास है कि श्री अहमद आल इण्डिया गूजर महासभा की नीतियों का प्रचार–प्रसार करेंगे।

वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आशा व्यक्त किया कि नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष शीघ्र ही प्रदेश व जिला कमेटी बनायेंगे। साथ ही आल इंडिया गुजर महासभा की नीतियों को समाज के जन–जन तक पहुँचाने का कार्य भी करेंगे। उधर जानकारी होने पर उत्तर प्रदेश गुजर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष नसीम गुजर एवं महामंत्री शकील अहमद गुजर ने फिरोज अहमद को बधाई देते देते हुये महासभा हाईकमान के इस निर्णय की सराहना किया। गुजर महासभा के जौनपुर जिलाध्यक्ष साजिद अलीम ने महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष फिरोज अहमद को बधाई दिया। बता दें कि फिरोज अहमद जौनपुर के मूल निवासी हैं जो महाराष्ट्र में समाजसेवा जैसे कार्य करते हुये समाज को जगाने का कार्य करते हैं।

रामगढ़ प्रथम आगमन पर प्रदेश अध्यक्ष का आजाद समाज पार्टी के कार्यकताओं ने किया स्वागत

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। चतरा क्षेत्र के रामगढ़ में आजाद समाज पार्टी के कार्यकताओं ने प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर कुलदीप कुमार भार्गव का किया गया भव्य स्वागत, वही युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष राहुल राव के नेतृत्व में अपनी पूरी टीम के साथ कार्यालय पर गर्म जोशी से स्वागत किया गया। प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप कुमार भार्गव ने संगठन को और मजबूत करने का आवाहन किया। जिससे राष्टीय अध्यक्ष के हाथो को मजबूती प्रदान मिल सके उन्होंने बताया की दलित, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ों के साथ जो जुल्म हो रहा है उसके खिलाफ लड़ाई लड़ा जा सके। आज की मौजूदा सरकारें सविधान को खत्म

करने में लगी हैं इसके लिए हम लोगो को एकजुट होकर कंधे से कंधा मिलाकर संविधान बदलने वालों के खिलाफ लड़ाई लड़ा जा सके एवं अपने हक अधिकार को लिया जा सके। वही साथ में आए प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य डॉक्टर खुर्शीद ने पार्टी के कार्यकताओं को जमीन पर मेहनत से काम करने को कहा, जिससे आजाद समाज पार्टी प्रदेश में मजूबती से गरीबों शोषितो की लड़ाई लड़ सके। जिसमे शामिल जिलाध्यक्ष रवि कांत, युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष राहुल राव पूर्व प्रधान बैजू भारती, युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष राज खान, महफूज, सोनू, रामसूरत, नीतीश राव, अशोक भारती, अखिलेश भारती आदि लोग मौजूद रहे।

जनसुनवाई में एसपी ने सुनी फरियादियों की समस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस कार्यालय में गुरुवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ. कौशतुंभ ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की शिकायतें गंभीरतापूर्वक सुनीं। उन्होंने प्रत्येक प्रकरण को प्राथमिकता के आधार पर लेकर संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई और प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान एसपी डॉ. कौशतुंभ ने दूरसंचार माध्यम से संबंधित थाना प्रभारियों एवं अधिकारियों से सीधे वार्ता कर मामलों की वस्तुस्थिति जानी और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि शिकायतकताओं को न्याय समयबद्ध और निष्पक्ष रूप से मिले।

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं का समाधान पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उक्त अवसर पर सहायक पुलिस अधीक्षक श्रृष्टि जैन भी रहीं मौजूद।

किसी भी पंचायत में नहीं है विवाह भवन

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज प्रखंड में गरीब व आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों की शादी में अतिरिक्त खर्च कम करने के उद्देश्य से शुरू की गई मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप योजना फिलहाल कागजों तक ही सिमटी नजर आ रही है। पंचायती राज विभाग द्वारा अक्टूबर 2025 में विवाह भवन निर्माण की स्वीकृति मिलने के बावजूद अब तक महाराजगंज प्रखंड के 16 पंचायतों में से एक भी पंचायत में निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। बलऊ पंचायत में जमीन का चयन कर स्वीकृति के लिए सीवान जिला को भेजा गया है। शेष सभी पंचायत में जमीन का एन ओ सी मिलने की इंतजार है। इसमें अंचल कार्यालय की लापरवाही की वजह से जमीन का चयन नहीं हो पा रहा है। जिससे जमीनी स्तर पर कोई प्रगति नहीं होने से ग्रामीणों में निराशा और आक्रोश दोनों बढ़ते जा रहे हैं। महाराजगंज प्रखंड की कुल 16 पंचायतों में से 1 पंचायत में विवाह मंडप के लिए स्थल का चयन कर लिया गया है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप योजना के तहत बनने वाले ये विवाह भवन आधुनिक सुविधाओं से युक्त होंगे। प्रत्येक भवन जी प्लस वन संरचना में बनाया जाएगा। इसमें दो बड़े विवाह हॉल होंगे, जहां एक साथ कई कार्यक्रम आयोजित किए जा सकेंगे। इसके अलावा कई कमरे बनाए जाएंगे, जिनमें हर कमरे के साथ अटैच बाथरूम और शौचालय की सुविधा होगी। वर और वधु पक्ष के ठहरने की अलग-अलग व्यवस्था की जाएगी। भवन परिसर के बाहर भोजन पकाने के लिए अलग से किचन शेड का निर्माण किया जाएगा। साथ ही, मेहमानों के वाहनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पार्किंग स्थल भी विकसित किए जाएंगे। कन्या मंडप की विशेष व्यवस्था इस भवन को और उपयोगी बनाएगी। एक विवाह भवन का निर्माण 50 लाख रुपये की लागत से 13 हजार 200 वर्ग फीट क्षेत्रफल में किया जाना है। योजना का लाभ शीघ्र मिलने की उम्मीद लगाए ग्रामीण अब देरी से नाराज हैं। लोगों का कहना है कि सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना अगर समय पर धरातल पर उतरती, तो सैकड़ों गरीब परिवारों को बड़ी राहत मिलती। लगातार देरी से यह आशंका भी जताई जा रही है कि कहीं योजना फाइलों में हीन सिमट कर रह जाए। योजना का मुख्य उद्देश्यः मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों की शादी के लिए सुविधायुक्त और सम्मानजनक स्थान उपलब्ध कराना है।

11 जनवरी को मीरा भायंदर में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की धमक

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का वेलकम करेंगे प्रताप सरनाईक

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन जनरल इलेक्शन 2025-2026 के सिलसिले में, महाराष्ट्र स्टेट के डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे की सिटी ऑफ ड्रीम्स मीटिंग पब्लिक मीटिंग 11 जनवरी 2026 को शाम 7.00 बजे हिंदू हृदय सम्राट स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे मैदान, इंद्रलोक फेज 2, भायंदर ईस्ट में होगी। यह मीटिंग मीरा भायंदर के लोगों के सामने डेवलपमेंट का विजन पेश करने के लिए एक एक्साइटमेंट की बात होगी। मंत्री सरनाईक ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया 9 जनवरी को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मीरा-भायंदर शहर पहुंचेंगे और गठबंधन धर्म निभाते हुए और कैबिनेट में एक अहम मंत्री और मीरा-भायंदर शहर के प्रतिनिधि के तौर पर, मंत्री प्रताप सरनाईक खुद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का स्वागत करेंगे।

मीरा-भायंदर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव से ठीक पहले, शहर में पॉलिटिकल लड़ाई तेज हो गई है, और मंत्री प्रताप सरनाईक ने सीधे तौर पर भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता पर करप्शन और क्राइम का आरोप लगाते हुए जंग का ऐलान कर दिया है। सरनाईक ने आने वाले चुनावों का बिगुल बजाते हुए कहा, जिन लोगों ने 7/11 कंस्ट्रक्शन के नाम पर मीरा-भायंदर को लूटा, अब सिर्फ तीर-कमान ही उस करप्ट ट्रेंड को मारेंगे। आज हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रताप सरनाईक ने नरेंद्र मेहता के काम करने के तरीकों की कड़ी आलोचना की। सरनाईक ने बताया कि जब महायुति मुंबई, ठाणे और वसई-विरार में मिलकर लड़ रही थी, तो मीरा-भायंदर में महायुति सिर्फ. विधायकनरेंद्र मेहता के अपने घमंड की वजह से नहीं बन पाई। उन्होंने यह भी कहा, चीफ मिनिस्टर देवेंद्र फडणवीस महायुति के लिए पॉज़िटिव थे, लेकिन एक करप्ट विधायक की ज़िद की वजह से मजदूरों को नुकसान हुआ है। खास बात यह है कि ये विधायक चीफ मिनिस्टर के निर्देशों को भी नहीं मानते, जो शहर का दुर्भाग्य है। शहर को गरीब बनाने वालों को एक्सपोज करना,

सरनाईक ने आरोप लगाया कि पिछले 10 सालों में म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन पर जो लोग सत्ता में थे, उन्होंने शहर का विकास करने के बजाय अपने खजाने भरे। सरनाईक ने चेतावनी दी, मीरा-भायंदर को एक जानी-मानी पार्टी के पीछे 7/11 कंस्ट्रक्शन कंपनी ने बर्बाद कर दिया है। मेट्रो प्रोजेक्ट को रोकने से लेकर पानी की कमी पैदा करने तक, नरेंद्र मेहता सारे पापों के मास्टर हैं। शहर को गरीब बनाने वाले इस भस्मासुर का अंत नजदीक है। गौ माता के रक्षक को ताम्रपत्र से सम्मानित किया जाएगा। बैठक में सरनाईक ने बताया कि मीरा-भायंदर के लोग डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे को गौ माता को राज्य माता का दर्जा देने के लिए खास ताम्रपत्र से सम्मानित करेंगे। प्रताप सरनाईक ने भरोसा जताया, मीरा-भायंदर के डेवलपमेंट के लिए मैंने जो सपने देखे थे, उनमें से 90% पूरे हो गए हैं। यह चुनाव बाकी 10% काम और शहर को करप्शन के दलदल से निकालने के लिए अहम होगा। सरनाईक के इस अग्रेसिव रुख की वजह से अब मीरा-भायंदर की पॉलिटिक्स में भूचाल आ गया है, और साफ है कि मेहता ग्रुप में काफी बेचैनी देखी जा रही है।

लाइफस्टाइल, इंफ्रास्ट्रक्चर और रफ्तार ने 2025 में भारत में घर खरीदने और किराये के ट्रेंड को नया आकार दिया

मुंबई। मैजिकब्रिक्स की नवीनतम रिसर्च के अनुसार, 2025 में भारत के प्रमुख महानगरों और उभरते टियर-2 शहरों में घर खरीदार, किरायेदार और पेइंग गेस्ट अब अधिक सोच-समझकर, लाइफस्टाइल और इंफ्रास्ट्रक्चर को ध्यान में रखते हुए आवास संबंधी फैसले ले रहे हैं। दीर्घकालिक रहने योग्य सुविधाओं, कनेक्टिविटी और माइक्रो-मार्केट की गुणवत्ता को लेकर बढ़ती जागरूकता ने रेसिडेंशियल प्रेफरेंसेज को नए सिरे से परिभाषित किया है। लक्जरी हाउसिंग की मांग मजबूत बनी हुई है, लेकिन संतुलित रूप में। मैजिकब्रिक्स के डेटा के अनुसार, द्वारका एक्सप्रेसवे, नोएडा एक्सप्रेसवे, सरजापुर रोड, गाचीबाउली और कोरेगांव पार्क जैसे चुनिंदा प्रीमियम माइक्रो-मार्केट्स में 75-80% खरीदारों की मांग लक्जरी सेगमेंट में केंद्रित है, जिसे नए हाई-एंड रेजिडेंशियल पिन कोड्स के उभरने से समर्थन मिल रहा है। वहीं, समग्र रूप से टियर-1 शहरों में मांग लगभग बराबर बंटी हुई है—51% खरीदार किफायती होने के कारण मिड-सेगमेंट घरों को प्राथमिकता दे रहे हैं, जबकि 49% अब भी लक्जरी विकल्पों को चुन रहे हैं, जो आकांक्षा और वित्तीय विवेक के बीच संतुलन को दर्शाता है। लाइफस्टाइल से जुड़े पहलू खरीद के फैसलों में तेजी से अहम होते जा रहे हैं। एनसीआर और मुंबई में लगभग 35-40% खरीदार सूर्योदय की दिशा वाले घरों को प्राथमिकता देते हैं, जो प्राकृतिक रोशनी और वेलनेस पर बढ़ते फोकस को दर्शाता है। कोलकाता में 42% होम सीकर्स गंगा नदी की ओर खुलने वाले घरों की इच्छा रखते हैं, जो आवासीय विकल्पों में सांस्कृतिक और पर्यावरणीय संदर्भ की भूमिका को रेखांकित करता है। किराये के सेगमेंट में रफ्तार और लचीलापन व्यवहार को प्रभावित कर रहे हैं। कोलकाता और अहमदाबाद में लगभग 50% किरायेदार तुरंत मूव-इन विकल्पों को प्राथमिकता देते हैं, जबकि बेंगलुरु और मुंबई में 20-23% रेंटल सर्च लगभग तीन महीने पहले शुरू हो जाती हैं, जो तात्कालिक जरूरत और योजनाबद्ध किराये के बीच स्पष्ट अंतर को दर्शाता है। ओनरशिप प्रेफरेंस भी क्षेत्रीय रूप से अलग-अलग हैं—मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे और पुणे में 40-50% खरीदार रीसेल घरों को चुनते हैं, जबकि अहमदाबाद, हैदराबाद और नई दिल्ली में 63-67% खरीदार नए प्रोजेक्ट लॉन्च की ओर अधिक झुकाव दिखाते हैं।

प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. का २१वां वार्षिक सम्मेलन ११ जनवरी को

नवीं मुंबई। प्रजापति समाज विकास मंडल रजि.राष्ट्रीय सामाजिक संस्था एनजीओ के राष्ट्रीय अध्यक्ष-सी.पी.प्रजापति ने एक विज्ञप्ति में बताया कि संस्था का २१वां वार्षिक सम्मेलन रविवार ११ जनवरी २०२६ को के.आ.बांठीया माध्यमिक विद्यालय हॉल , सेक्टर- १८, नवीन पनवेल पूर्व, नवी मुंबई में अपराह्न १.३० बजे से शाम ७:३० बजे तक आयोजित किया गया है।

सम्मेलन में मुख्य अतिथि श्रीरंग आप्पा बारणे- सांसद, मावल रायगड, राजेश प्रजापति- मैनेजिंग डायरेक्टर प्रजापति कंस्ट्रक्शनस लिमिटेड मुख्य अतिथि एवं के.के. वर्मा- वरिष्ठ वैज्ञानिक बीएआरसी, राजेश कुमार प्रजापति- मैनेजिंग डायरेक्टर प्रजापति फाउंड्री पुणे, विनोद खिमजी प्रजापति (फटानिया)- प्रेसिडेंट प्रजापति कुंभार वेलफेयर एसोसिएशन कुर्ला मुंबई, हरीराम आर. प्रजापति- सीईओ एस. के. इंडस्टरीज डोंबिवली, दिनेश प्रजापति- प्रोपराइटर प्रजापति एंटरप्राइजेज समाजसेवी नवी मुंबई, सिकमी प्रसाद प्रजापति-प्रोपराइटर प्रजापति एंटरप्राइजेज मुंबई, ए.के.कुंभार- डायरेक्टर निशा इंजीनियरिंग वर्क्स पुणे, अशोक विट्ठल सोनवणे- संपादक दैनिक लोकमंथन पुणे, डॉ विनोद कुमार प्रजापति नवी मुंबई, पर्वदीन प्रजापति- प्रोपराइटर सोनी एंटरप्राइजेज नवी मुंबई अतिथि होंगे। सम्मेलन का उद्घाटन डॉ. भगवान दास प्रजापति-पूर्व जी.एम. ओएनजीसी और स्वागताध्यक्ष- के.एन.वर्मा पूर्व जीएम मझगांव डाक लिमिटेड करेंगे। सम्मेलन में वर-वधु परिचय-(एल.सी. राठौर दिल्ली), समाज के बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, समाज के जानी मानी विशिष्ट हस्तियों को समाज रत्न , समाज भूषण, प्रजापति गौरव, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत बेटी गौरव सम्मान, नारी शक्ति सम्मान एवं मेधावी छात्रों को प्रजापति गौरव सम्मान से सम्मानित एवं प्रशस्ति- पत्र देकर पुरस्कृत किया जाएगा।

सम्मेलन में समाज के लोगों में सामाजिक चेतना, शैक्षणिक प्रगति, आर्थिक उन्नति, समाज के उत्थान एवं राजनीतिक भागीदारी के बारे में जागृत एवं मार्गदर्शन, बिजनेस व शिक्षा आदि विषयों पर विशेष रूप से चर्चा होगी। दूसरे प्रदेशों से भी पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। संस्था समाज के लोगों से अपील करती है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थित होकर सम्मेलन को सफल बनाएं।

डॉ. नरेंद्र कुमार के चुनाव प्रचार ने उड़ाई सबकी नींद

– युवाओं, बुजुर्गों के साथ–साथ नारी शक्ति का मिल रहा है समर्थन और आशीर्वाद

दहिसर, मुंबई। दहिसर पूर्व में वार्ड क्रमांक-5 से काँग्रेस तथा मित्र पक्षों के लोकप्रिय उम्मीदवार डॉ. नरेन्द्र कुमार का चुनाव-प्रचार द्रुत गति से जारी है। उन्हें बजुर्गों , युवाओं और नारी शक्ति का भरपूर समर्थन और आशीर्वाद मिल रहा है। गुरुवार को डॉ. नरेन्द्र कुमार ने सैकड़ों कार्यकताओं और सहयोगियों के साथ दहिसर में शिव वल्लभ रोड, भोईरवाडी, संस्कृती स्प्लेंडर, श्रीनाथ नगर, हर्ष कौशल सोसायटी, राज सुंदरम, उमेश अपार्टमेंट, देवछाया तथा सद्गुरू हाईट्स में जबरदस्त चुनाव प्रचार अंतर्गत जनसंपर्क किया। इसी प्रकार सायंकाल में मारुती नगर - बजरंग, पवनपुत्र, राम, सरिता, हनुमान, राज शिव, राज शिवम, राज सत्यम, राज उमंग के बाद हनुमान टेकडी पर चौक सभा करके हजारों नागरिकों से संवाद साधा।

सासमीरा द्वारा रक्तदान व नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन

109 यूनिट रक्त संग्रह, 350 से अधिक आंखों की जांच

मुंबई। सासमीरा सास्मा लिमिटेड, टाटा मेमोरियल अस्पताल और विजन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से बुधवार, 7 जनवरी 2026 को एक भव्य रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रख्यात नेत्र शल्य चिकित्सक डॉ. कुलिन कोठारी ने,सासमीरा की उपाध्यक्ष स्मिता येओले की उपस्थिति में किया। कार्यक्रम में सासमीरा के डायरेक्टर जनरल डॉ. अशोक कुमार तिवारी, काउंसिल सदस्य एवं अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। उद्घाटन के बाद मुख्य अतिथि ने डॉक्टरों और रक्तदाताओं से संवाद किया। डॉ. कोठारी ने अपने 40 वर्षों के पेशेवर अनुभव साझा करते हुए कार्यक्षेत्र में नैतिकता और उत्कृष्टता के महत्व पर जोर दिया तथा नेत्र देखभाल के प्रति जागरूक किया। उनके संबोधन को उपस्थित जनसमूह ने जोरदार तालियों से सराहा। विशिष्ट अतिथि सीए संजय खेमानी,नरेंद्र हिरावत और विरेंद्र याग्निक ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सासमीरा काउंसिल सदस्य श्यामसुंदर खेतान ने रक्तदान और नेत्र शिविर की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। शिविर में पात्र रक्तदाताओं की जांच के बाद 109 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। साथ ही 350 से अधिक लोगों की आंखों की जांच की गई, जरूरतमंदों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए तथा मोतियाबिंद के मरीजों के निःशुल्क ऑपरेशन की व्यवस्था सासमीरा द्वारा की जाएगी। कार्यक्रम में मुंबई भर से 100 से अधिक बुद्धिजीवियों ने भाग लिया। सासमीरा ने एक बार फिर मानव सेवा और सामाजिक दायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

परपोते ने फिक्स तोड़कर दादी की तेरही के लिए दे दी अपनी सारी जमाराशि

चंदौली। एक तरफ जहां नजदीकी रिश्तों में भी खटास बढ़ती जा रही है, वहीं एक परपोते ने मधुर रिश्तों की प्रेरणादायक मिशाल प्रस्तुत करते हुए अपनी दादी की तेरही के लिए फिक्स तोड़कर अपनी संपूर्ण जमा राशि (5.40 लाख रुपए) परिवारजनों को दे दी। चंदौली जनपद के महुअर कला गांव में पूर्व जिला पंचायत सदस्य संदीप सिंह फौजी के घर 6 जनवरी को आयोजित तेरही कार्यक्रम ने एक साथ कई रिकॉर्ड तोड़ दिया। संदीप सिंह की दादी मनकीराजी देवी का 110 वर्ष की उम्र में 25 दिसंबर को निधन हो गया था। संदीप सिंह के पुत्र शानू सिंह (18 वर्ष) का उनकी दादी के साथ गहरा लगाव था। दादी भी शानू को बहुत प्यार करती थी। शानू ने पिछले 4 साल में 5 लाख 40 हजार रुपए की बचत की थी, जो फिक्स डिपॉजिट के रूप में बैंक में जमा थी। शानू ने अदभुत निर्णय लेते हुए अपनी सारी जमा राशि निकालकर परिवार जनों को यह कहकर दे दी कि दादी को श्रद्धांजलि देने का इससे बढ़िया काम क्या हो सकता है? 6 जनवरी को आयोजित तेरही कार्यक्रम ने भी एक रिकॉर्ड बना दिया। करीब 15000 लोग शामिल हुए। पूर्व केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पांडे से लेकर मुंबई के सुप्रसिद्ध समाजसेवी शिक्षा सम्राट लल्लन तिवारी, विधायक सुशील सिंह से लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष छत्रबली सिंह के अलावा अनेक जाने-माने लोग तेरही कार्यक्रम में शामिल होकर स्व. मनकीराजी देवी की तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

पालघर खासदार डॉ. हेमंत सांवरा ने 29वें अयप्पा पूजा समारोह में की पूजा-अर्चना

वसई रोड। वसई (पश्चिम) स्थित वसई अयप्पा संगम में आयोजित 29वें अयप्पा पूजा समारोह में आज पालघर के खासदार डॉ. हेमंत सांवरा ने श्रद्धापूर्वक सहभाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने भगवान अयप्पा के चरणों में दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की खुशी, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और शांति के लिए प्रार्थना की। डॉ. सांवरा ने इस पवित्र आयोजन के सफल आयोजन के लिए वसई अयप्पा संगम के सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं भक्तों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में एकता, आपसी विश्वास और सकारात्मक ऊर्जा को मजबूत करते हैं। पूजा समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और पूरे वातावरण में भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास देखने को मिला।

नायगांव में महायुति की जोशपूर्ण कैंपेन रैली, स्नेहा दुबे पंडित ने की जनता से समर्थन की अपील

वसई रोड। नायगांव ईस्ट के परेरा नगर परिसर में वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन जनरल इलेक्शन 2026 के मद्देनजर महायुति की भव्य कैंपेन रैली का आयोजन किया गया। भाजपा, शिवसेना, श्रमजीवी संगठन, अग्री सेना महायुति के वार्ड नंबर 27 के आधिकारिक उम्मीदवारों के समर्थन में यह रैली बड़े उत्साह के साथ निकाली गई। महायुति की ओर से वार्ड नंबर 27 के उम्मीदवार (ए) मिसेज दमयंती भीमराव भोईर, (बी) मिस्टर राजेंद्र यादव म्हात्रे, (सी) मिसेज हर्षला प्रवीण गावड़े और (डी) मिस्टर धरेंद्र विलास कुलकर्णी के चुनाव प्रचार की शुरूआत इस रैली के माध्यम से की गई। इस अवसर पर वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से महायुति के सभी उम्मीदवारों को भारी बहुमत से विजयी बनाने की अपील की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि विकास, पारदर्शी प्रशासन और सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाली प्रगति के लिए महायुति ही एकमात्र भरोसेमंद विकल्प है। रैली में भाजपा जिला सेक्रेटरी प्रवीण गावड़े, भाजपा वसई ईस्ट साउथ मंडल अध्यक्ष उदय शेट्टी, धर्मेंद्र मिश्रा, प्रमोद तिवारी, महेश शुक्ला सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। महायुति के नारों और जनता के जबरदस्त समर्थन से पूरे इलाके में उत्साह और चुनावी माहौल देखने को मिला।

Wht Now द्वारा आयोजित साइबर कॉन्क्लेव में 700 से अधिक छात्रों की भागीदारी

मुंबई, Wht Now द्वारा आज प्रतिष्ठित वाई.बी. चव्हाण ऑडिटोरियम में एक प्रभावशाली साइबर कॉन्क्लेव का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व हँ३ ठङ्कद्द की संस्थापक नीति गोयल और सह-संस्थापक अक्षत खेतान ने किया। कॉन्क्लेव में वरिष्ठ नीति-निमार्ताओं, कानून प्रवर्तन अधिकारियों, विधि विशेषज्ञों और युवाओं ने भाग लेकर साइबर जागरूकता, डिजिटल सुरक्षा एवं उभरते साइबर खतरों पर विचार-विमर्श किया। इस साइबर कॉन्क्लेव में 22 कॉलेजों की भागीदारी रही और 700 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की, जो भारत के युवाओं के बीच साइबर शिक्षा और जिम्मेदार डिजिटल नागरिकता के बढ़ते महत्व को दशार्ता है। कार्यक्रम में राहुल नार्वेकर,अध्यक्ष, महाराष्ट्र विधान सभा, ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने डिजिटल युग में लोकतांत्रिक संस्थाओं की सुरक्षा और नागरिकों को सशक्त बनाने हेतु साइबर साक्षरता की आवश्यकता पर बल दिया। इसके अतिरिक्त गौरव गौतम, मंत्री युवा एवं रोजगार, हरियाणा सरकार, भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि साइबर सुरक्षा कौशल किस प्रकार युवाओं के रोजगार, उद्यमिता और राष्ट्रीय विकास के लिए अत्यंत आवश्यक होता जा रहा है। मंत्री के संबोधन के पश्चात यशस्वी यादव, एडीजीपी, महाराष्ट्र, ने एक अत्यंत प्रभावशाली और विचारोत्तेजक व्याख्यान दिया, जो कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। उन्होंने साइबर अपराध, डिजिटल धोखाधड़ी और ऑनलाइन खतरों की बदलती प्रकृति पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए नागरिकों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सहयोग, सतर्कता और जागरूकता की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रसिद्ध राजनीतिक नेता एवं विधि विशेषज्ञ शाइना एनसी ने कानून, प्रौद्योगिकी और साइबर अपराध के अंतसंबंध पर प्रकाश डालते हुए छात्रों के बीच मजबूत कानूनी साक्षरता और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण आकर्षण भारत पोस्ट द्वारा साइबर सुरक्षा पर विशेष डाक-स्टाम्प निरस्तीकरण (स्पेशल स्टाम्प कैंसलेशन) का शुभारंभ रहा, जो सुरक्षित और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार के लिए राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता और सामूहिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है।

बरसठी में लेन-देन के विवाद में मारपीट, महिला समेत कई घायल

-दिनेश विश्वकर्मा

बरसठी ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसठी थाना क्षेत्र के पलटूपुर गांव में पुराने लेन-देन को लेकर हुए विवाद में दबंगों ने एक परिवार पर हमला कर दिया। घटना में एक महिला के सिर में गंभीर चोटें आईं, जबकि बीच-बचाव करने आए युवक के सामने के दो दांत टूट गए। पीड़ित परिवार ने विपक्षियों पर गाली-गलौज, ईंट-पत्थर चलाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 7 जनवरी 2026 को दोपहर करीब 2 बजे सुभाष सोनकर पुराने लेन-देन का तकादा करने गौतम सोनकर के घर पहुंचे थे। बातचीत के दौरान अचानक गिरजाशंकर, रंजीत और बसंता सोनकर मौके पर पहुंच गए और गाली-गलौज करते हुए ईंट-पत्थर चलाने लगे। हमले में विमला देवी के सिर में गंभीर चोटें आईं। घटना के दौरान जब परिवार के लोग बचाव के लिए पहुंचे तो विपक्षियों ने लाठी-डंडों से दौड़ा-दौड़ा कर मारपीट की, जिसमें अंकित सोनकर के सामने के दो दांत टूट गए। मामले की सूचना 112 नंबर पर दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन विपक्षी फरार हो गए। पुलिस पीड़ित पक्ष को थाने ले आई। पीड़ितों का

एमएम यादव को मिल रहे भारी जन समर्थन से विपक्ष हताश : नवाब मलिक

मुंबई। एम एम यादव को 45 वर्षों का राजनीतिक अनुभव है। वसोर्वा विधानसभा की जनता के लिए हमेशा संघर्ष करने वाले श्री यादव को जिस तरह से जनता का भारी समर्थन मिल रहा है, उसे देखते हुए विपक्ष हताश और परेशान हो गया है। राष्ट्रवादी अजीत पवार गट से वार्ड क्रमांक 63 में चुनाव लड़ रहे एमएम यादव के बहराम बाग में खुरैशी स्कूल के पास फ्लाइओवर के नीचे स्थित कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित भारी भीड़ को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कद्दावर नेता नवाब मलिक ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि श्री यादव ने बहुत लंबे समय तक राजनीति के माध्यम से जन सेवा की है। जब कांग्रेस ने ऐसे व्यक्ति को टिकट नहीं दिया तो हमारी पार्टी के प्रमुख अजीत पवार ने अपने बंगले पर बुलाकर सम्मान के साथ इन्हें टिकट दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने चौथी बार श्री यादव के साथ अन्याय किया है। नवाब मलिक ने कहा कि एमएम यादव ने पिछले चुनाव में अपने अकेले की ताकत के बल पर जिस व्यक्ति को कांग्रेस से विजय दिलाया, आज वही उनके सामने चुनाव लड़ रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी 15 जनवरी को वसोर्वा विधानसभा में एक इतिहास लिखेगा। श्री मलिक ने कहा कि हमारी पार्टी ने 92 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं। अभी पूरा विश्वास है कि 40 से अधिक सीटों पर हम विजई होंगे। वार्ड क्रमांक 63 का सर्वे बता रहा है कि यहां से हम भारी मतों से चुनाव जीतने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्री यादव यहां के एक-एक व्यक्ति और एक एक गली से परिचित है। उनकी जीत से इस वार्ड के विकास का नया दौर शुरू होगा। इस अवसर पर जरीन खान, राघवेंद्र सिंह, इंद्रदेव शुक्ला, भारत यादव, जगन सिंह, लाल सिंह, हरिश्चंद्र यादव, बीरबल यादव, इकरार खान, फारुख भाई, फरदीन खान के अलावा भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मैत्री मैच में पुलिस प्रशासन की शानदार जीत, पत्रकार संघ को 22 रनों से हराया

स्पोर्टिंग क्लब शाहगंज के तत्वावधान में रोमांचक क्रिकेट मुकाबले, खेल भावना का दिखा उत्कृष्ट उदाहरण

चंदन जायसवाल

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्पोर्टिंग क्लब, शाहगंज के तत्वावधान में बृहस्पतिवार की शाम तकरीबन चार बजे रामलीला मैदान में आयोजित मैत्री क्रिकेट मैच में पुलिस प्रशासन की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पत्रकार संघ की टीम को 22 रनों से पराजित किया। मुकाबला दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक रहा और पूरे समय खेल भावना का माहौल बना रहा।

पुलिस प्रशासन की टीम के प्रभारी निरीक्षक के के सिंह ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 5 ओवर में 80 रन बनाकर 3 विकेट गंवाए। टीम की ओर से थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने सर्वाधिक 33 रन की आक्रामक पारी खेली, जबकि पत्रकार संघ की टीम में सुशील तिवारी ने 32 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पत्रकार संघ की टीम कैप्टन अजय सिंह के अगवानी में 5 ओवर में 1 विकेट पर 59 रन ही बना सकी। इससे पूर्व उद्घाटन मैच खेतासराय और परसा टीम के बीच खेला गया। खेतासराय की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 ओवर में 61 रन बनाए, जिसके जवाब में परसा की टीम ने 6 ओवर में 62 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। उद्घाटन मैच ने टूनार्मेंट के रोमांचक आगाज की झलक दी। मैच के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधानसभा प्रत्याशी (कांग्रेस) एवं नूरजहां गर्ल्स इंटर कॉलेज व ईडन पब्लिक स्कूल के संस्थापक प्रबंधक परवेज आलम भुट्टो व युवा समाजसेवी मनीष सिंह तथा युवा समाजसेवी सौरभ यादव जौनपुर प्रेस क्लब शाहगंज के अध्यक्ष चंदन कुमार जायसवाल ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल का शुभारंभ किया और खेलों को सामाजिक एकता का सशक्त माध्यम बताया। मैच में अंपायर की भूमिका मो. फैजान, सौरभ सिंह, विक्की सिंह और विवेक गुप्ता ने निभाई, जबकि कमेंट्री शफीक भाई (मानी कला) और आमेर सैंडी (ताखा पश्चिम) ने की। आयोजन को सफल बनाने में शाहगंज स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष सौरभ यादव, उपाध्यक्ष दियांशु यादव, मैनेजर मो. आरिफ, महामंत्री प्रियांशु गौड़, मंत्री के.डी. सोनकर, कोषाध्यक्ष मंगेश यादव, उप कोषाध्यक्ष मुन्ना यादव सहित अन्य पदाधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पत्नी की बेवफाई और बच्चे की चिंता: न्याय की गुहार लगा रहा बेबस पति

बक्सा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर से एक दिल दहला देने वाले मामले सामने आया है।जौनपुर के बक्शा थाना क्षेत्र के वीरपालपुर गांव के एक युवक ने अपनी पत्नी के किसी अन्य व्यक्ति के साथ भाग जाने और अपने बच्चे की सुरक्षा को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित पति, धर्मेंद्र सरोज, अब प्रशासन और सरकार से मदद की गुहार लगा रहा है। क्या है पूरा मामलाः धर्मेंद्र सरोज ने बताया कि उनकी शादी साल 2015 में हुई थी। पिछले 10 वर्षों से वे अपनी पत्नी, कविता कुमारी, का हर संभव ख्याल रख रहे थे। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि उन्होंने साल 2015 से 2025 तक अपनी पत्नी की पढ़ाई-लिखाई और घर का सारा खर्च अकेले उठाया। धर्मेंद्र के अनुसार, उनकी पत्नी पिछले छह महीनों से गायब थी, लेकिन एक महीने पहले उन्हें पता चला कि वह दिनेश वर्मा (पुत्र राजिंदर वर्मा, निवासी सरैयां गांव) के साथ भाग गई है और संभवतः दूसरी शादी कर ली है। पीड़ित ने बताया कि उनकी पत्नी अपने साथ उनके छोटे बेटे, अयान, को भी ले गई है। धर्मेंद्र को डर है कि उनके बच्चे की जान को खतरा हो सकता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दिनेश वर्मा और कविता के परिवार वाले उन्हें और उनके रिश्तेदारों को जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं। धर्मेंद्र ने वीडियो में साझा किया कि उनकी एक भतीजी और दामाद भी सरैयां गांव के पास रहते हैं, जिन्हें आरोपी लगातार डरा-धमका रहे हैं। उन्हें फर्जी केस और ऋक्कफ में फंसाकर जेल भेजने की धमकी दी जा रही है। मैं अपनी पत्नी और बच्चे को वापस चाहता हूँ। मुझे और मेरे परिवार को उन लोगों से खतरा है,ऱ धर्मेंद्र ने कहा। उन्होंने सरकार और स्थानीय पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच करने और उनके बच्चे को सुरक्षित वापस दिलाने की अपील की है।